

#  
65

پادشاه  
دولت علی  
(۱۸۸۷ء)



کین پیوالتی موم ودرسم پونام مومو پیلایا  
 کین پیوالتی موم ودرسم پونام مومو پیلایا  
 کین پیوالتی موم ودرسم پونام مومو پیلایا





## ब्राह्मणमण्डल का श्री पञ्चांग गलतियों से भरपूर (२०३९)

काश्मीरी पण्डित जनताको सूचित रहे कि मण्डलके हिन्दी एडिशन श्रीपञ्चाङ्ग में पृष्ठ ५१ आश्विन शुक्लपक्ष, पृष्ठ ५३ कार्तिक शुक्लपक्ष, पृष्ठ ५६ माघ शुक्लपक्ष, इन तीनों पक्षोंमें ग्रह संचार, चन्द्र राशि संचार तथा सभी त्यौहार आदि गलत हैं जिन व्रतों को काश्मीरी पण्डित जनता श्रद्धा से मनाती है, जसे पृष्ठ ५६ पर गौरी तृतीया चतुर्थी को, त्रिपुरा चतुर्थी पंचमी को, भीष्माष्टमी नवमी को, भीमसेन काह द्वादशी को दर्ज है जो सरासर गलत है इन तीनों पक्षों के कुमारपण्ठी व्रत गलत है, कतक मगर फाल्गुन की संक्रान्ति तिथि गलत हैं ऐसे ही उर्दू एडिशन ४१ पृष्ठ पर गौरीतृतीया, त्रिपुरा चतुर्थी, भीष्माष्टमी, भीमसेन काह लिखने से रह गई हैं। ये वह गलतियां हैं जिन को जन साधारण भी समझ सकती हैं ऐसी गलतियां दशहरा, गंगाष्टमी की भांति हुल्लडवाजी का विषय नहीं।

मण्डल को चाहिए जन्त्री से ये तीनों पृष्ठ काट कर नये पृष्ठ जोड़ें अथवा जनता को सूचित करें ताकि आप के पञ्चांग से आस्तिक जनता का व्रत भंग न हो।

—सम्पादक

HORY SUPPLY SYNDICATE

Shri Nagar, Sri Nagar, Kashmir



سمپادک :-  
جوتشی

پرکم ناکھ شاستری  
زنجبہار ادکثیر  
گنت کرتا :-  
جوتشی کنھ شرم

دوتیو جوتش کارنالیہ کے  
کاریہ کرتا :-  
جوتشی کاشی ناکھ شرم  
جوتشی اومکار ناکھ شاستری  
جواہر لعل شاستری  
جوتشی بھوشن لعل ایم اے  
ساتیہ آپاریہ



# نیم ودھی

۵

راتا کال برابھی مہورت میں نیند سے اٹھنا چاہیے۔ رات کے اتم پہر کا تیسرا بھاگ برابھی مہورت کہلاتا ہے۔ نیند سے اٹھتے ہی پڑھ بھجن کرتے ہوئے پڑھیں۔ پراٹھا، شمرائی، بھو بھی تی ہمارا شائیتے، نارائتم، کرٹو، دوکرم، ایک ناہم، اگر با بھی بھوت، دردارو، نموکتی، نیسے، قوم، چکارا، یو دھم، نرو، وارچہ، پدیر، پترم، یہ شلوک پڑھ کر دامن ہاتھ کا درشن کرتے ہوئے پڑھیں۔ کرارگے درستی، کشمی کرمدھی، سرسوتی، کرپوے، تو، گو تیدہ، پر بھاتے، کرڈرم، بسترے سے اٹھتی شوق کو اوش جاین شوق، لکھو شنگا وغیرہ کرتے کیسے مرن رکھیں۔ شوق کے بعد پہلی مٹی دس بار بائیں ہاتھ میں اور سات بار دونوں ہاتھوں میں ملیں۔ پھر چھوٹیوں پر جوہوں سے نکالی ہوئی تتھا دوسرے کی چوٹی مٹی پر لوگ میں نہ لائیں سنان نیتہ کرنا چاہیے سنان کر کے سندھیا تتھا ادا پسانا کرنی اوشیک ہے۔ یہاں اس جنتری میں ہم نے منجھپ نیتہ پارتھا ودھی لکھی ہے۔ یہ پارتھا ودھی ان ہاتھوں کے لئے لکھی گئی ہے۔ جنہیں نیتہ پاٹھ کرنے کی پرل اچھی ہے۔ پرتو کسی سنکرت پاٹھ پٹک کا پاٹھ کرنے میں اس مہرتھ میں۔ آشا ہے ایسے بھگوت پریمی ہاتھ۔ اس نیتہ پارتھا ودھی کا روزانہ پاٹھ کر کے ہمارے اس سادہ رات سے پرنیم سے لاکھ اٹھا دیں گے۔

موکھ دھونے کی ودھی شوق وغیرہ سے فوراً جو کر بایاں پیر دھوتے ہوئے پڑھیں۔ "نمو

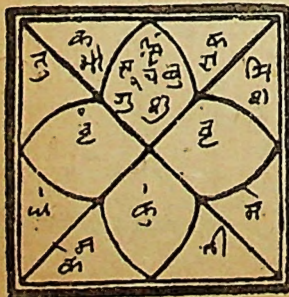
سہسرنائے، پورنائی، شاشوئے، ہسرنائی، بیک جارنی، نماہ، دایاں پیر دھوتے ہوئے پڑھیں۔ اوم نماہ، مکلا ناہی، نئے، املد شایہ، نئے، کیشوان، تہ، واسو، نو، بوسو، تہ، موکھ دھوتے ہوئے پڑھیں۔ گنگا، پریاگہ، گیہ، نیسے، ہشہ، یوشکار دی، تیرھائی، یا تی، بھو دی، سن تی، ہری پرسادات، برائیتو، تانی کرپہ، پوٹے، مدی یے، پرکھیا لیتہ، دئے، نشا کلنک، تیرھتے، سیم، ترہتھ، یوسمانا نام، بھوتی، مانا، ہاشم، سیر، اردو، ردشو، دھرتی، ہرانگ، مورتہ سے، رکھیا، نو، برہنس، پتے، "مزدھو کرگنو پوت دھوتے ہوئے پڑھیں۔ اوم بھو، بھوا، سواہ، تہ، سرتور، دئے، نیم، بھرگو، دیو سے، دھی، ہبی، دھی، یو، یوناد، پرچو دیات، گنو پوت پھر سے گلے میں ڈالتے ہوئے پڑھیں۔ گنو پوتیم، پریم، پوترم، پرچا پتر، میت، سہج، پورستات، آپوشم، اگریم، پرئی پوجی، شو بھرم، گچو پوتیم، لہم، آتھ دتے جاہ۔ گچو پوتیم۔ اسی گکے سے تو، اوپہ، دکتے نہ، اوپہ، نہ مہیا سے "ممنہ دھو کر سنان تیگچہ ہندو جیون کا آرنجہ سنان سے ہوتا ہے اور انت بھی سنان سے ہی۔ ویدول میں سنان کے بارے میں کہا گیا ہے "آپو دئے پراہ" کہ جل کے ذرہ ذرہ میں پران شکتی بھری پڑی ہے۔ سنان پرانوں میں شکتی شریر میں سفر کرتا تھا جیتا کا ادے ہو جاتا ہے۔ اس لیے پاس نہیں بتا اورن پر جیتا ہو جاتا ہے۔ اسلئے نیتہ سنان کریں اور پھر سندھیا اوشہ کریں وید بھگوان کی آگیا ہے "اہرہ، اندھیا، آ، اوباسی، "نیتہ سندھیا کرنی چاہیے۔ سندھیا کرنے کے لئے دھیمو جوش کارایہ سے "سندھیا پسن ودھی" یا ایشین ہندی اور اردو پس میں مل سکتا۔



स्वतन्त्र भारत जन्म चक्र



राजीव गांधी जन्म चक्र



आकाशीय दुर्घटनाओं से माली, जानी हानि होगी, कई प्रांतों में सूखा पड़ने से हानि होगी कहीं खड़ी फसलों को आकाशीय उत्पत्तियों से नुकसान होगा।

गोचर तथा वर्ष चक्र में सूर्य और चन्द्र का महत्वपूर्ण स्थान होता है, जबकि यह दोनों ग्रह भारत स्वतन्त्र वर्ष चक्र में अच्छी स्थिति में हैं, जिनके प्रभाव से भारत अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में प्रतिष्ठा प्राप्त करेगा, पड़ोसी देशों के साथ आपसी सम्बन्ध में सुधार होगा, अन्तर्राष्ट्रीय समस्याएँ हल करने में भारत का विशेष हाथ होगा, विदेशों से नये नये तिजारती समझौते होते रहेंगे, तिजारत को बढ़ावा देने के निमित्त विकास-शील देशों के साथ टेक्नीकी आर्थिक समझौतों को अमली रूप दिया जायेगा, फौजी शक्ति में यथावत वृद्धि होगी, सीमाओं को सुरक्षित रखने में सरकार सावधान रहेगी, देश में नये नये कारखाने लगाये जायेंगे। तिजारत की स्थिति में सुधार होगा।

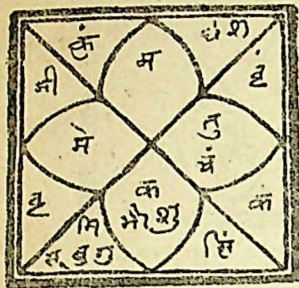
## राजीव गांधी

जन्म चक्र, वर्ष चक्र तथा गोचर की ग्रहगति पर विचार करने से विदित होता है, यह वर्ष राजनैतिक दृष्टि से श्री राजीव गांधी के लिए कठिन से कठिन उलझनों का होगा, होने वाले चुनाव में कांग्रेस के कई सत्तारूढ़ अधिकारियों को असफलता होगी, विरोधी ग्रुप का आन्तरिक फूट अथवा गुटवाद श्री राजीव गांधी की सफलता में सहायक रहेगा, चुनाव में कांग्रेस की सफलता निश्चित है परन्तु अधिक जनमत प्राप्त नहीं होगा, गोचर से वर्ष के आरम्भ पर आठवाँ सूर्य, चन्द्रमा, बुध तथा शुक्र का होना शरीर के लिये हानिकारक है, इसलिए आवश्यक है, श्री राजीव गांधी के समर्थक निम्नलिखित मन्त्र का प्रायः उच्चारण किया करें :—

चन्द्रशेखर चन्द्रशेख चन्द्र शेखर पाहिमाम् चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर चन्द्रशेखर रक्षमाम्

# काश्मीर

काश्मीर वर्ष चक्र



गोचर चक्र डाक्टर फारोक



में रहने पर भी लाभ में नहीं रहेगा ।

अखरोट बादाम की उपज सन्तोषजनक होगी कीमतों में भी तेज़ी होगी, सूखे मेवे तथा केसर आदि के व्यापारी

सम्पादक

काश्मीर वर्ष चक्र में तुला राशि का चन्द्रमा होने, डाक्टर फारोक के गोचर चक्र में मीन राशि का चन्द्रमा होने से शत्रु पष्ठाष्टक योग बनता है, इस क्रूर योग के प्रभाव से डा० फारोक को पग-पग पर उलझनों रुकावटों का सामना करना होगा, विरोधी ग्रुप सरकार को परेशान बनाने तथा देश के शान्त वातावरण को नष्ट भ्रष्ट करने के निमित्त साम्प्रदायिक झगड़े दंगे फसाद करता रहेगा । परन्तु केन्द्रीय सरकार के सहयोग से डा० फारोक हर उलझन का मुकाबला करने में सफल रहेगा यद्यपि मंत्रीमण्डल में परिवर्तन का योग है भी परन्तु डाक्टर फारोक मान प्रतिष्ठा से अपनी पदवी पर विराजमान रहेंगे ।

धान्य के स्वामी इस वर्ष शुक्र देवता है जो काश्मीर वर्ष चक्र में सातवें भाव में भीम के साथ ठहरा है जिसके प्रभाव से वर्षा के अभाव तथा पानी की कमी से धान्य का बहुत क्षाण नष्ट होगा, वर्ष के आरम्भ पर मौसमी हालात धान्य के अनुकूल न होने से काश्त-कार वर्ग परेशान रहेगा, कंड़ी इलाकों को छोड़ कर सामूहिक रूप से धान्य की उपज अच्छी होगी, मकई कनक आदि की उपज सन्तोषजनक नहीं होगा ।

फल फलों के स्वामी बुध देवता है जो काश्मीर वर्ष चक्र से छठे भाव में सूर्य चन्द्रमा बुध के साथ ठहरा है, यह योग ज्योतिष फलित में हानिकारक माना जाता है, इस क्रूर योग के प्रभाव से यह वर्ष सामूहिक रूप से काश्मीर में फलों के पैदावार में बाधक होगा, काश्मीर में कहीं फलों की अधिकता कहीं कमी होगी, फलों में रोग लगने का अन्देश है, मूल्य में आश्चर्यजनक उतार चढ़ाव से इस वर्ष व्यापारी वर्ग संघर्ष दौड़घुप



सप्तर्षि सं० 5065, विक्र० 2046 चैत्र शुक्लपक्ष ईसवी 1989, शाकः 1911

6 अप्रैल की स्थिति : गीन में सूर्य, बुध, शुक्र। वृष में शीम। वृहस्पति, धनु में शनि, कुम्भ में राहु। सिंह में केतु।

राधे हिज चैत्र अप्रे. वार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि. (ग्रह संचार वजे मिनटों में) वसंत ऋतु, उत्तरायण

14

14	28	24	6	गुरु	रेव	प्र	8	29	अं	दि	8	0
11	29	25	7	शुक्र	अश्वि	प्र	7	0	दि	प्र	3	32
9	1	26	8	शनि	भर	दि	5	43	तृ	प्र	1	37
6	2	27	9	रवि	कृति	दि	4	9	च	प्र	11	57
3	3	28	10	सोम	रोहि	दि	4	3	पं	प्र	10	58
1	4	29	11	भौम	मृग	दि	3	46	प	प्र	9	53
58	5	30	12	बुध	आर्द्र	दि	4	0	स	प्र	9	29
55	6	वैशा	13	गुरु	पुन	दि	4	40	अ	प्र	9	40
53	7	2	14	शुक्र	तिष्या	दि	5	44	न	प्र	10	20
50	8	3	15	शनि	अश्ले	प्र	7	34	द	प्र	11	28
48	9	4	16	रवि	मघा	प्र	9	36	ए	प्र	1	1
45	10	5	17	सोम	पूषा	प्र	11	57	द्व	प्र	2	51
43	11	6	18	भौम	उफा	प्र	2	35	त्रो	प्र	4	54
40	12	7	19	बुध	हस्त	प्र	5	8	च	प्र	5	55
38	13	8	20	गुरु	चित्रा	प्र	5	55	चं	दि	7	57
36	14	9	21	शुक्र	चित्रा	दि	7	33	पू	दि	9	52

मेघ में चन्द्र और पंचक समाप्त 8-29 रात, व्यहः। A  
चन्द्रदर्शन, वज्रम्  
11-27 रात वृष में चन्द्र। 6-2 रात मेघ में बुध B  
धोम्यः।  
3-51 रात मियुन में चन्द्र। प्रवधः।  
2-26 रात मेघ में शुक्र। कुमार पण्ठी, क्षयः  
9-50 रात से मासान्त गजः।  
9-50 रात से मेघ में सूर्य मुहूर्त 30 पर्वतीय, संक्रान्ति C  
राम नवमी, उमाभगवती जयन्ती भ्रारी-आंगन, D  
7-34 रात सिंह में चंद्र। 1-7 दिन से गण्डान्त। E  
कामदा एकादशी, मुद्गरम्।  
ध्वजः।  
6-37 दिन कन्या में चन्द्र। 2-52 रात मियुन में भौम F  
दिन अधिक, आनन्दः।  
6-24 शां तुला में चन्द्र चरः।  
मुसलम्।

A नवरेह, नवरात्र आरम्भ, 2-52 दिन से 2-5 रात तक गण्डान्त, मैत्रम्। B रोजा आरम्भ, रमजान, ध्वांक्ष।  
C दुर्गाष्टमी, कर्क में चन्द्र 10-29 दिन से। वैशाखी, सिद्धः। D शिवाभगवती जयन्ती अकिन गाम, उन्मूलम्। E 2-2  
रात तक। मानसम् F महावीर जयन्ती जैन सम्प्रदाय, प्रजापत्यः। द्वितीया से चतुर्दशी तक अपने दिन, पूर्णिमा पहले दिन  
मध्याह्न ! अमावसी का पहले दिन, द्वितीया से चतुर्दशी तक अपने दिन, पूर्णिमा पहले दिन। श्राद्ध : अमावसी पहले दिन

सप्तषि सं. 5065, विक्र. 2046 वैशाख कृष्णपक्ष ई. 1989, शाक : 1911

22 अप्रैल की ग्रह स्थिति : मेष में सूर्य, शुक्र बुध मिथुन भौम । वृष बृहस्पति । धनु शनि । कुम्भ राहु । सिंह केतु ।

राधा	हिजा	वैशा	अप्रे	वार	नक्षत्र	बजे मि.	तिथि	बजे मि.	(ग्रह संचार बजे मिनटों में) वसंत ऋतु, अनारायण
34	15	10	22	शनि	स्वा दि	9 41	प्र दि	10 20	1, 2 रात वृश्चिक में चन्द्र । सिद्धः ।
31	16	11	23	रवि	विश दि	11 36	द्वि दि	11 27	उन्मूलम् । शनिवक्री 11 बजे दिन से ।
29	17	12	24	सोम	अनू दि	12 44	तृ दि	12 7	8-53 रात वृष में बुध । चन्द्रमास । सकट चतुर्थी । A
27	18	13	25	भौम	ज्ये दि	1 32	च दि	12 17	1-32 दिन धनु में चन्द्र और मून आरम्भ । 7-25 प्रातः से B
25	19	14	26	बुध	मूला दि	1 50	पं दि	11 57	ऋषिपीर श्राद्ध । शीपंचमी । ध्वांक्षः । 1-50 दिन मूल C
23	20	15	27	गुरु	पूर्वा दि	1 41	ष दि	11 6	7-35 शां मकर में वन्द्र । वेताल पण्ठी । प्रजापत्यः ।
21	21	16	28	शुक्र	उषा दि	1 0	स दि	9 46	6-33 प्रातः अगस्त्य अस्त, आनन्दः ।
19	22	17	29	शनि	श्रव दि	12 10	अ दि	8 14	11-36 रात कुम्भ में चन्द्र पंचक आरम्भ । शुक्र उदय D
17	23	18	30	रवि	धनि दि	10 56	न दि	6 16	लक्ष्मीनारायण यज्ञ बलबललंकर । ग्रहः । मार्तण्डः
14	24	19	मई	सोम	शत दि	9 31	ए प्र	1 48	2-19 रात मीन में चन्द्र । अमृतम् ।
12	25	20	2	भौम	पूमा दि	7 53	द्वा प्र	11 22	शैवाचार्य लक्ष्मण जी जन्मोत्सव (काण्डः ।
10	26	21	3	बुध	उभा दि	6 16	त्रौ प्र	8 58	11-16 रात से गण्डान्त । अलापकः ।
8	27	22	4	गुरु	अश्वि प्र	3 9	चं दि	6 37	11-19 दिन तक गण्डान्त । 6-9 प्रातः मेष में चन्द्र पंचक E
6	28	23	5	शुक्र	भर प्र	1 46	अं दि	4 27	मुद्गरम् ।

A मानसम् । B गण्डान्त 7-33 रात तक गण्डान्त । मुद्गरम् C समाप्त । मंगलेश्वर जयंती । D 10-52 दिन । स्थिर

E समाप्त । मानसम् । (अध्याह्न) प्रतिपद से नवम तक पहले दिन, एकादशी से अमावसी तक अपने दिन ।

(श्राद्ध) प्रतिपद से नवम तक पहले दिन, एकादशी से चतुर्दशी तक अपने दिन । अमावसी पहले दिन ।



सप्तर्षि सं० 5065, विक्र० 2046, वैशाख शुक्ल पक्ष ईसवी 1989, शाकः 1911

6 मई की ग्रह स्थिति : मेघ में सूर्य । मिथुन में भौम । वृष में बुध, वृहस्पति, शुक्र । धनु में शनि । कुम्भ में राहु । सिंह में केतु ।

राधं हिज वैशा मई वार नक्षत्र वजे मि० तिथि वजे मि० (ग्रह संचार वजे मिनटों में) वसंत ऋतु, उत्तरायण,

13	4	29	24	6	शनि	कृति प्र	12	54	प्र दि	2	30	7-30 प्रातः वृष में चन्द्र । 8-38 प्रातः वृष में शुक्र । A
	2	शवा	25	7	रवि	रोहि प्र	11	51	द्वि दि	12	50	परशुराम जयन्ती, शिवाजी जयन्ती । प्रजापत्यः ।
12	0	2	26	8	सोम	मृग प्र	11	34	तृ दि	11	32	अक्षया तृतीया, 11-48 दिन मिथुन में चन्द्र । आनन्दः ।
	57	3	27	9	भौम	आर्द्र प्र	11	39	च दि	10	40	चरः ।
	55	4	28	10	बुध	पुन प्र	12	14	प दि	10	16	6-5 शां कर्क में चन्द्र । कुमार पण्डीव्रत । B
	53	5	29	11	गुरु	तिष्या प्र	1	21	प दि	10	13	8-50 दिन कृतिका में सूर्य । शूलम् ।
	51	6	30	12	शुक्र	अश्ले प्र	2	54	स दि	11	1	8-29 रात से गण्डान्त, 2-54 रात सिंह में चंद्र । C
	49	7	31	13	शनि	मघा प्र	4	54	अ दि	12	5	9-24 दिन तक गण्डान्त । 8-1 रात से भासान्त । D
	47	8	ज्येष्ठ	14	रवि	पूफा प्र	5	36	न दि	1	36	8-1 रात वृष में सूर्य मुहूर्त 30 समुद्रीय, संक्रान्तिव्रत । E
	45	9	2	15	सोम	पूफा दि	7	17	द दि	3	25	1-44 दिन कन्या में चंद्र । ध्वजः ।
	43	10	3	16	भौम	उफा दि	9	42	ए दि	5	14	नारद एकादशी, प्रजापत्यः ।
	40	11	4	17	बुध	हस्त दि	12	21	द्वा दि	7	23	1-34 रात तुला में चन्द्र । बुधद्वादशी । आनन्दः ।
	38	12	5	18	गुरु	चित्रा दि	2	50	त्रे प्र	10	19	चरः ।
	36	13	6	19	शुक्र	स्वाति दि	5	3	च प्र	10	42	गणेश चतुर्दशी, गणपतयारयात्रा, मुमलम् ।
	34	14	7	20	शनि	विशा दि	6	54	पू प्र	11	45	12-28 दिन वृश्चिक में चंद्र । बुध जयन्ती । शूलम् ।

A चन्द्रदर्शन । ध्वजः । B शंकराचार्य जयन्ती । मुमलम् । C गंगा जयन्ती । मृत्युः D काम्यः । E छत्रम् ।

मक्याह्नः प्रतिपद द्वितीया अपने दिन, तृतीया से अष्टमी तक पहले दिन, नवमी से पूर्णमा तक अपने दिन आहु प्रतिपद से द्वादशी तक पहले दिन त्रयोदशी से पूर्णमा तक अपने दिन ।

सप्तमि सं० 5065, विक्रमी 2046 ज्येष्ठ कृष्णपक्ष ईसवी सं० 1989 । शका 1911

21 मई की ग्रह स्थिति : वृष में सूर्य, वृध, वृहस्पति, शुक्र । मिथुन में भौम, धनु में शनि, कुम्भ में राहु । सिंह में केतु ।

राधे हिज ज्येष्ठ गई वार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि. (ग्रह संचार वजे मिनटों में) ग्रीष्म ऋतु उत्तरायण

12

33	15	8	21	रवि	अनू	प्र	8 15	प्र	प्र	12 30	नारद जयंती मृत्यु ।
33	16	9	22	सोम	ज्येष्ठ	प्र	9 13	द्वि	प्र	12 38	9-13 रात धनु में चंद्र और मूल आरम्भ A
32	17	10	23	भौम	मूला	प्र	9 39	तृ	प्र	12 20	9-39 रात मूल समाप्त । छत्रम् ।
31	18	11	24	वृध	पुषा	प्र	9 35	च	प्र	11 33	3 वजे 30 मि. रात मकर में चन्द्र, संकट चतुर्थी, B
30	19	12	25	गुरु	उषा	प्र	9 4	प	प्र	10 11	8-2 दिन तक कृतिका नक्षत्र-में सूर्य सौम्यः,
29	20	13	26	शुक्र	श्रव	प्र	8 13	ष	प्र	8 32	धौम्यः ।
28	21	14	27	शनि	धनि	दि	7 1	स	दि	6 35	7-37 प्रातः कुम्भ में चंद्र, और पंचक आरम्भ, C
27	22	15	28	रवि	शत	दि	5 37	अ	दि	4 22	क्षयः ।
27	23	16	29	सोम	पूभा	दि	4 3	न	दि	2 0	10-28 दिन मीन में चन्द्र, 4-5 रात बृहस्पति अस्त
26	24	17	30	भौम	उभा	दि	2 26	द	दि	11 37	7-17 शां मिथुन में शुक्र । सिद्धः । मुसलम् ।
25	25	18	31	वृध	रेव	दि	12 44	ए	दि	9 11	12-44 दिन मेष में चंद्र और पंचक समाप्त E
24	26	19	जून	गुरु	आश्वि	दि	11 14	द्वा	दि	6 53	ग्रहः मानसम् ।
23	27	20	2	शुक्र	भर	दि	9 51	च	प्र	2 37	3-33 दिन वृष में चन्द्र, 3-37 रात चन्दास्त । F
22	28	21	3	शनि	कृति	दि	8 43	अं	प्र	12 54	वटसावित्री, नन्दकेश्वर यात्रा (मुम्बल) हरीश्वर यात्रा, G

A 3 वजे 7 दिन से गण्डान्त 3 वजे 23 रात तक । काम्यः । B वृध मास, श्रीवत्सः । C प्रवर्धः ।

E रथा एकादशी, भद्रकाली जयंती 7-13 प्रातः से 8-29 शां तक गंडान्त, उन्मूलम् । F मुद्गरम् । G ध्वजः ।

मध्याह्नः प्रतिपद् से दशमी तक अपने दिन, एकादशी, द्वादशी पहले दिन, चतुर्दशी अमावसी अपने दिन (श्राद्ध) प्रतिपद् से सप्तमी तक अपने दिन, अष्टमी से द्वादशी तक पहले दिन, चतुर्दशी अमावसी से अपने दिन ।



सप्तमि सं० 5065 । विक्रम सं० 2046 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष ईसवी सं० 1989 । शाक : 1911

4 जून की ग्रह स्थिति—वृष में सूर्य, बुध, बृहस्पति, । मिथुन में भौम, शुक्र, धनु में शनि, कुम्भ में राहु । सिंह में केतु ।

12

राष्ट्र	हिज	ज्येष्ठ	जून	वार	नक्षत्र	वज्र मि.	तिथि	वज्र मि.	(ग्रह संचार वज्र मिनटों में)	ग्रीष्म ऋतु, उत्तरायण
21	29	22	4	रवि	रोहि	दि	7 52	प्र प्र	11 33	7-39 रात मिथुन में चन्द्र । प्रजापत्यः ।
21	30	23	5	सोम	मृग	दि	7 25	द्वि प्र	10 40	चन्द्रदर्शन, आनन्दः ।
21	जीक	24	6	भौम	आर्द्र	दि	7 23	तृ प्र	10 4	1-43 रात कर्क में चन्द्र । चरः ।
19	2	25	7	बुध	पुन	दि	7 53	च प्र	10 22	2-14 दिन कर्क में भौम, मुसलम् ।
18	3	26	8	गुरु	तिष्या	दि	8 46	प प्र	10 52	3-54 प्रातः से गण्डान्त । शूलम्
17	4	27	9	शुक्र	अश्ले	दि	10 18	व प्र	11 51	10-18 दिन सिंह में चन्द्र, 4, 44 दिन तक A
16	5	28	10	शनि	मघा	दि	12 8	स प्र	1 18	काम्यः ।
15	6	29	11	रवि	पुषा	दि	2 26	अ प्र	3 15	9-3 रात कन्या में चन्द्र, ज्येष्ठ अष्टमी, क्षीर B
15	7	30	12	सोम	उषा	दि	4 55	न प्र	5 7	श्रीवत्सः ।
14	8	31	13	भौम	हस्त	दि	7 21	द प्र	5 24	दिन अधिक, सौम्यः ।
13	9	32	14	बुध	चित्रा	प्र	10 3	द दि	6 56	9-42 दिन तुला में चन्द्र, 5-53 प्रातः से मासांत C
12	10	हार	15	गुरु	स्वाति	प्र	12 21	ए दि	8 48	5-53 प्रातः मिथुन में सूर्य मुहूर्त । S, दरयाई, D
11	11	2	16	शुक्र	विशा	प्र	2 4	द्वा दि	10 18	7-53 रात वृश्चिक में चन्द्र । मातंगः ।
10	12	3	17	शनि	अनू	प्र	3 48	त्र दि	11 28	अमृतम्
9	13	4	18	रवि	ज्येष्ठ	प्र	4 51	च दि	12 7	10-39 रात से गण्डान्त, काण्डः ।
8	14	5	19	सोम	मूला	प्र	5 20	पू दि	12 23	कवीर जयन्ती, भवानी जयन्ती, 4-51 प्रातः धनु E

A गण्डान्त, कुमार पष्ठी, मृत्युः B भवानी यात्रा, मंजगासयात्रा, छत्रम् । C कालदण्डः । D संक्रांति, निर्जलाण, स्थिरः  
E में चन्द्र और मूल आरम्भ, अलापकः 111 दिन तक गण्डान्त,

मध्याह्न प्रतिपद् रे दशमी तक अपने दिन, एकादशी से पूर्णिमा तक पहले दिन श्राद्ध प्रतिपद् से दशमी तक अपने दिन ।

सप्तमि सं० 5065 । विक्रमी सं० 2046 आषाढ़ कृष्णपक्ष ईसवी 1989 । शक : 1911

20 जून की ग्रहस्थिति : मिथुन में सूर्य, शुक्र । कर्क में भीम । वृष में बुध, बृहस्पति । धनु में शनि । कुम्भ में राहु । A

राश	हिज	हार	जून	वार	नक्षत्र	वजे	मि	तिथि	वजे	मि	(ग्रह संचार वजे मिनटों में)	ग्रीष्म ऋतु दक्षिणायन ।
1 <sup>2</sup>	15	6	20	भीम	मूला दि	5	22	प्र दि	12	9	2-3 रात से दक्षिणायन । गुरु गोविन्द जयंती । B	
9	16	7	21	बुध	पूर्वा दि	5	20	द्वि दि	11	6	11-19 दिन मकर में चन्द्र । श्रीवत्सः ।	
10	17	8	22	गुरु	श्रव प्र	4	12	तृ दि	9	53	बृहस्पति उदय 2-29 रात से । 6-26 दिन से C	
11	18	9	23	शुक्र	धनि प्र	1	31	च दि	8	15	3-40 दिन कुम्भ में चंद्र और पंचक आरम्भ D	
12	19	10	24	शनि	षन प्र	1	45	पं दि	6	20	7-12 प्रातः कर्क में शुक्र, आनन्दः । ग्रहः ।	
12	20	11	25	रवि	पूर्वा प्र	12	14	स प्र	1	38	6-50 शां मीन में चन्द्र, चरः ।	
13	21	12	26	शनि	उभा प्र	10	37	अ प्र	11	22	मुमलम् ।	
14	22	13	27	भीम	रव प्र	8	57	न प्र	8	55	8-57 रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त, E	
15	23	14	28	बुध	अश्वि दि	7	13	द दि	6	32	मृत्युः ।	
16	24	15	29	गुरु	भर दि	5	59	ए दि	5	3	11-36 रात वृष में चंद्र, योगिनी एकादशी, काम्यः ।	
17	25	16	30	शुक्र	कनि दि	5	11	द्वि दि	2	18	छत्रम् ।	
17	26	17	जुला	शनि	रौहि दि	3	51	त्र दि	12	3	1-43 रात मिथुन में चन्द्र, 2 वजे रात F	
18	27	18	2	रवि	मृग दि	3	42	चं दि	11	11	9-24 रात मिथुन में बुध, सौम्यः ।	
19	28	19	3	शनि	आर्द्रा दि	3	11	अ दि	10	12	सोमामावसी, सोमयात्रायात्रा, कालदण्डः ।	

A सिंह में केतु । B 5-22 प्रातः तक मूल । छत्रम् । C आर्द्रा आरम्भ, संकट चतुर्थीध्वजः । D शुक्रमास, प्रजापत्यः । E 3-21 दिन से 2-35 रात तक गण्डान्त शूलम् । F मिथुन में बृहस्पति श्रीवत्स ।

मध्याह्नः प्रतिपद में लेकर पंचमी तक पहले दिन, सप्तमी से त्रयोदशी तक अपने दिन, चतुर्दशी से अमावसी तक पहले दिन, अष्टमि प्रतिपद में पंचमी तक पहले दिन, सप्तमी से दशमी तक अपने दिन एकादशी से लेकर अमावसी तक पहले दिन ।



सप्तर्षि सं० 5065, विक्रम सं० 2046 आशाढ़ शुक्लपक्ष ईसवी 1989, शाक : 1911

4 जुलाई की ग्रह स्थिति—मिथुन में सूर्य, बुध, बृहस्पति । कर्क में भीम शुक्र धनु में शनि । कुम्भ में राहु । सिंह में केतु ।

राधे हिज हार जुला वार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि. (ग्रह संचार वजे मिनटों में) ग्रीष्म ऋतु दक्षिणायन

13	29	20	4	भीम	पून	दि	3	32	प्र	दि	9	43
20	21	20	5	बुध	तिष्य	दि	4	22	द्वि	दि	9	43
21	2	22	6	गुरु	अश्ले	दि	5	43	तृ	दि	10	15
22	3	23	7	शुक्र	मघा	दि	7	31	च	दि	11	14
23	4	24	8	शनि	पूषा	प्र	9	38	प	दि	12	41
24	5	25	9	रवि	उषा	प्र	12	6	प	दि	2	23
25	6	26	10	सोम	हस्त	प्र	2	40	स	दि	4	20
26	7	27	11	भीम	चित्रा	प्र	5	16	अ	दि	6	17
27	8	28	12	बुध	स्वा	प्र	5	29	न	प्र	8	7
28	9	29	13	गुरु	स्वा	दि	8	0	द	प्र	9	40
29	10	30	14	शुक्र	विशा	दि	9	37	ए	प्र	10	51
29	11	31	15	शनि	अनू	दि	11	16	द्वा	प्र	11	35
30	12	1	16	रवि	ज्येष्ठ	दि	12	24	त्री	प्र	11	48
31	13	2	17	सोम	मूला	दि	1	2	च	प्र	11	29
32	14	3	18	भीम	पूर्वा	दि	1	13	पू	प्र	10	42

9-24 दिन कर्क में चन्द्र । स्थिरः ।

चन्द्रदर्शन, मातंगः ।

5-42 दिन सिंह में चन्द्र, 11-40 दिन से गण्डान्त A काण्डः ।

4-13 रात कन्या में चन्द्र कुमार पण्डीव्रत, अलापकः मैत्रम् ।

हार सप्तमी, वज्रम् । *सहिते*

3-57 दिन तुला में चन्द्र, हार अष्टमी, ध्वांशः ।

आपादनवमी, धौम्यः ।

3-9 रात वृश्चिक में चन्द्र, स्थिरः ।

देवशयनी एकादशी, मातंगः ।

हरिस्वाप, 9, 5 रात से मासान्त, लुकभवन यात्रा, B

12-24 दिन धनु में चन्द्रमा और मूल आरम्भ, C

ज्वाला चतुर्दशी, 1-2 दिन मूल समाप्त, 12-10D

7-13 दिन भकर में चन्द्र, व्यास पूजा, मैत्रम् ।

A 12-25 रात तक । अमृतम् । B अमृतम् । C 6-10 प्रातः से 6-37 शां तक गण्डान्त 9-5 रात कर्क में सूर्य मूहृतं 30 दरयाई संक्रांति व्रत, काण्डः । D दिन कर्क में बुध, अलापकः ।

मध्याह्न प्रतिपद से पंचमी तक पहले दिन, पण्ठी पूणिमा तक अपने दिन श्राद्ध प्रतिपद से अष्टमी तक पहले दिन, नवमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

म. ग. २५  
२५ अ. ३०

सप्तमि सं० 5065, विक्रम सं० 2046 श्रावण कृष्ण पक्ष ईस्वी 1989, शक : 1911

19 जुलाई की ग्रह स्थिति—कर्क में सूर्य, भौम, बुध : मिथुन में बृहस्पति, सिंह में शुक्र केतु । धनु में शनि, कुम्भ में राहु

राधे हिज श्राव जुला वार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि (ग्रह संचार वजे मिनटों में) वर्षा ऋतु, दक्षिणायन

12	15	4	19	बुध	उषा	दि	12	54	प्र	प्र	10	29	11-37 दिन सिंह में शुक्र । वज्रम् ।
34	16	5	20	गुरु	श्रव	दि	12	11	द्वि	प्र	7	51	11-46 रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ A
34	17	6	21	शुक्र	घनि	दि	11	10	तृ	दि	5	56	संकटसतुर्थी, प्रजापत्यः ।
35	18	7	22	शनि	शत	दि	12	40	च	दि	3	46	आनन्दः ।
37	19	8	23	रवि	पूभा	दि	8	23	पं	दि	1	25	5-25 प्रातः मीन में चन्द्र, सूर्यमास, नागपंचमी, B
39	20	9	24	सोम	उभा	दि	6	45	ष	दि	11	0	6-4 शां सिंह में भौम, C ;
41	21	10	25	भौम	अश्वि	प्र	3	30	स	दि	8	33	5-19 प्रातः मेष में चन्द्र, और पंचक समाप्त, D
43	22	11	26	बुध	भर	प्र	2	2	अ	दि	6	10	व्यहः, काण्डः ।
45	23	12	27	गुरु	कृति	प्र	12	44	द	प्र	1	51	7-43 प्रातः वृष में चन्द्र, अलापकः ।
47	24	13	28	शुक्र	रोहि	प्र	11	46	ए	प्र	12	6	कमला एकादशी, कमला यात्रा (बाल) मैत्रम् ।
49	25	14	29	शनि	मृग	प्र	11	8	द्वि	प्र	10	41	11-24 मिथुन में चन्द्र, वज्रम् ।
51	26	15	30	रवि	आर्द्रा	प्र	10	53	तृ	प्र	9	42	ध्वांक्षः ।
54	27	16	31	सोम	पून	प्र	11	9	च	प्र	9	12	5-4 शां कर्क में चन्द्र, 9 वजे रात चन्द्रास्त । वीम्यः
56	28	17	अग	भौम	तिष्या	प्र	11	49	अं	प्र	9	11	4-42 दिन सिंह में बुध, प्रवर्धः ।

Aध्वजः । Bचरः । C -11 रात से गण्डान्त, मुसलम् । D10-5 दिन तक गण्डान्त, तुलसीदास जयंती अमृतम् ।

मध्याह्न प्रतिपद् ऐ पञ्चमी तक अपने दिन, षष्ठी सप्तमी, अष्टमी पहले दिन, दशमी से अमावसी तक अपने दिन (श्राद्ध प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन, चतुर्थी से अष्टमी तक पहले दिन, दशमी से अमावसी तक अपने दिन ।



सप्तमि सं० 5065, विक्रम सं० 2046 श्रावण शुक्लपक्ष ईसवी 1989, शक : 1911

2 अगस्त की ग्रह स्थिति — कर्क में सूर्य, सिंह में भौम, बुध, शुक्र, केतु : मिथुन में बृहस्पति, धनु में शनि, कुम्भ में राहु ।

राधे हिज श्राव अंग वार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि. (ग्रह संचार वजे मिनटों में) वर्षा ऋतु, दक्षिणायन

दि०	हिज	श्राव	अंग	वार	नक्षत्र	वजे मि.	तिथि	वजे मि.
12	29	18	2	बुध	अश्ले	प्र 1 8	प्र प्र	9 41
13	30	19	3	गुरु	मघा	प्र 2 49	द्वि प्र	10 38
14	2	20	4	शुक्र	पूर्वा	प्र 4 55	तृ प्र	12 2
4	2	21	5	शनि	उषा	प्र 5 43	च प्र	1 46
6	3	22	6	रवि	उषा	दि 7 17	प प्र	3 44
8	4	23	7	सोम	हस्त	दि 9 53	प प्र	5 23
10	5	24	8	भौम	चित्रा	दि 12 29	स प्र	5 46
12	6	25	9	बुध	स्वाति	दि 2 50	स दि	7 36
14	7	26	10	गुरु	विशा	दि 4 58	अ दि	9 9
17	8	27	11	शुक्र	अनू.	दि 6 42	न दि	10 22
19	9	28	12	शनि	ज्येष्ठ	प्र 7 59	द दि	11 7
21	10	29	13	रवि	मूला	प्र 8 47	ए दि	11 22
23	11	30	14	सोम	पूर्वा	प्र 9 2	द्वा दि	11 6
25	12	31	15	भौम	उषा	प्र 8 51	त्र दि	10 23
27	13	32	16	बुध	श्रव	प्र 8 12	च दि	9 15
29	14	भाद्र	17	गुरु	धनि	प्र 7 14	पू दि	7 40

1-8 रात सिंह में चन्द्र । 7-12 रात स गण्डान्त । A

7-32 प्रातः तक गण्डान्त, चन्द्रदर्शन, गजः ।

हिजरी 1410 महरम सिद्धः ।

11-31 दिन कन्या में चन्द्र । उन्मूलम् ।

मैत्रम् ।

11-12 रात तुला में चन्द्र । कुमार पछी व्रत । तजम्

दिन अधिक, ध्वांशः

तुलसीदास जयंती, धोम्यः ।

10-29 दिन वृश्चिक में चंद्र, प्रवधः ।

क्षयः ।

7-59 रात धनु में चंद्र और मूल आरम्भ, 1-42 दिन B

पवित्रा 11, सिद्धः 8-47 रात मूल समाप्त

3-5 रात मकर में चन्द्र, श्रावण द्वादशी, शुपयानयात्रा, उन्मूलम्

मानसम् ।

छत्रम् ।

7-43 प्रातः कुम्भ में चंद्र और पंचक आरम्भ, C

A क्षयः । B से गण्डान्त 2-10 रात तक, 1-34 रात कन्या में शुक्र-गजः । C रक्षाबन्धन पूर्णिमा, अमरनाथ यात्रा

धजीवारयात्रा, 8-39 प्रातः सिंह में सूर्य मुहूर्त 30 समुद्रोदय, ग्रहः श्री वरसः संक्रांति ।

मध्याह्न प्रतिपद से सप्तमी तक अपने दिन, अष्टमी से पूर्णिमा तक यह पहले दिन (श्राद्ध) प्रतिपद से सप्तमी तक अपने

दिन । अष्टमी से पूर्णिमा तक पहले दिन ।

सप्तमि सं० 5065, विक्रम० सं० भाद्र कृष्ण पक्ष ईसवी० 1989, शाक : 1911

18 अगस्त की ग्रह स्थिति—सिंह में सूर्य, भौम, बुध, केतु । कन्या में शुक्र । मिथुन में बृहस्पति, धनु में शनि, कुम्भा

राशें हिज भाद्र अंग बार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि. (ग्रह संचार वजे मिनटों में) वर्षा ऋतु । दक्षिणायन

15	2	18	शुक्र	शत	दि	5 57	द्वि प्र	3 42	सौम्यः
33	16	3	19	शनि	पूभा	दि	4 30	तृ प्र	1 21
36	17	4	20	रवि	उषा	दि	2 55	च प्र	10 57
38	18	5	21	सोम	रेव	दि	1 17	प प्र	8 30
40	19	6	22	भौम	अश्वि	दि	11 40	प दि	6 8
42	20	7	23	बुध	भर	दि	10 12	स दि	3 46
45	21	8	24	गुरु	कृति	दि	8 52	अ दि	1 52
47	22	9	25	शुक्र	रोहि	दि	7 48	न दि	12 8
50	23	10	26	शनि	मृग	दि	7 3	द दि	10 43
52	24	11	27	रवि	आर्द्रा	दि	6 44	ए दि	9 43
55	25	12	28	सोम	पुन	दि	6 50	द्वा दि	9 10
58	26	13	29	भौम	तिष्या	दि	7 28	त्र दि	9 10
13	27	14	30	बुध	अश्ले	दि	8 36	च दि	9 40
3	28	15	31	गुरु	मघा	दि	10 23	अं दि	10 40

सौम्यः

10-54 दिन मीन में चंद्र । कालदण्ड :

10-4 रात कन्या में बुधनवदलयात्रा, चरः संकटः

1-17 दिन मेष में चंद्र और पंचक समाप्त । C

भौमामास, अमृतम्

3-48 दिन वृष में चंद्र, जन्माष्टमी, काण्ड :

अलापकः ।

7-23 रात मिथुन में चंद्र । मैत्रम् ।

वज्रम् ।

12-43 रात कर्क में चंद्र, अजा एकादशी, ध्वांक्षः ।

गोवत्सापूजा, धौम्यः ।

2-14 रात से गण्डान्त, कलियुग जयंती, प्रवर्धः ।

8-36 प्रातः सिंह में चंद्र, 3-35 दिन तक गण्डान्त, D

दर्भ अमावसी, मघा मावसी 10-23 दिन तक । गजः

A में राहु B चतुर्थी । C 7-35 प्रातः से गण्डान्त 6-52 शां तक, मार्तंग D क्षयः ।

मध्याह्न द्वितीया से नवमी तक अपने दिन । दशमी से अमावसी तक पहले दिन श्राद्ध द्वितीया से पण्ठी तक अपने दिन

सप्तमी से अमावसी तक पहले दिन ।



सप्तर्षि सं० 5065 विक्रम सं० 2046 भाद्र शुक्लपक्ष ईसवी 1989 शाक : 1911

1 सितम्बर की ग्रह स्थिति : सिंह में सूर्य, भौम, केतु । कन्या में बुध, शुक्र । मिथुन में बृहस्पति । धनु में शनि । A

राधं हिज भाद्र सित. वार नक्षत्र वजे मि तिथि वजे मि (ग्रह संचार मिनटों में) वर्षा ऋतु दक्षिणायन ।

14	29	16	1	शुक्र	पूफा	दि	12	14	प्र	दि	12	2
8	सफ	17	2	शनि	उफा	दि	2	33	द्वि	दि	1	46
10	2	18	3	राव	हस्त	दि	5	2	तृ	दि	3	44
12	3	19	4	सोम	चित्रा	प्र	7	29	च	दि	5	45
16	4	20	5	भौम	स्वाति	प्र	10	8	पं	प्र	7	3
18	5	21	6	बुध	विशा	प्र	12	20	ष	प्र	9	17
21	6	22	7	गुरु	अनू	प्र	1	45	स	प्र	10	36
24	7	23	8	शुक्र	ज्येष्ठा	प्र	3	32	अ	प्र	11	26
26	8	24	9	शनि	मूला	प्र	4	24	न	प्र	11	31
28	9	25	10	राव	पूषा	प्र	4	47	द	प्र	11	33
31	10	26	11	सोम	उषा	प्र	4	41	ए	प्र	10	51
34	11	27	12	भौम	श्रव	प्र	4	9	द्वा	प्र	9	41
36	12	28	13	बुध	धनि	प्र	3	15	त्र	प्र	8	8
39	13	29	14	गुरु	शत	प्र	2	21	च	दि	6	16
41	14	30	15	शुक्र	पूभा	प्र	11	7	पू	दि	4	11

6-47 शां कन्या में चन्द्र, चन्द्र दर्शन । सिद्धः ।  
मंत्रम् ।

हरितालिका तृतीया, मानसम् ।

6-22 प्रातः तुला में चन्द्र । विनायक चतुर्थी । B  
करंकीर्थं आढ । ध्वजः ।

5-48 शां वृश्चिक में चंद्र । कुमारपट्टी व्रत । C

8-20 प्रातः तुला में शुक्र । आनन्दः ।

9-15 रात से गण्डान्त । 3-32 रात धनु में चन्द्र D

12 वजे दिन कन्या में भौम, 10-14 दिन तक E  
शूलम् ।

10-45 दिन मकर में चंद्र, नारायणी एकादशी, F

इन्द्र,द्वादशी, अलापकः ।

वितस्ता त्रयोदशी व्यथवृत्रयात्रावेरीनाग, G

अनन्त चतुर्दशी, अनन्त नागयात्रा, वज्रम् ।

7-12 रात मीन में चन्द्र, पितृपक्ष आरम्भ, ध्वंक्षः ।

A कुम्भ में राहु । B विनायक बल यात्रा, मुद्गरम् । C प्रजापत्यः । D और मूल आरम्भ । गंगाष्टमी चरः ।

E गण्डान्त, 4-24 रात मूल समाप्त मुसलम् ।

G 3-47 दिन कुम्भ में चंद्र और पंचक

आरम्भ मंत्रम् F गौतमनागयात्रा, मृप्युः शनिमासी 6-26 दिन

से चतुर्दशी तक अपने दिन, पूर्णिमा पहले दिन ।

मध्याह्नः प्रतिपद पहले दिन, द्वितीया से पूर्णिमा तक अपने दिन । आढः प्रतिपद से चतुर्थी तक पहले दिन, पंचमी

सप्तमि सं० 5065, विक्रम सं० 2046 आश्विन कृष्ण पक्ष ईसवी सं० 1989, शाक : 1911

16 सित० की ग्रह स्थिति—कन्या में सूर्य, भौम, बुध । मिथुन में बृहस्पति, तुला में शुक्र, धनु से शनि, कुम्भ में राहु, A

रार्ध हिज भाद्र सित वार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि. (ग्रह संचार वजे मिनटों में) शरद्वृत्त, दक्षिणायन

14	15	31	16	शनि	उभा	प्र	11	6	प्र	दि	1	54	धौम्यः	9-40 दिन से मारान्त । धौम्यः
47	16	असु	17	रवि	रेव	प्र	9	27	द्वि	दि	11	30	9-27 रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त :B	
49	17	2	18	सोम	आश्व	प्र	7	49	तृ	दि	9	6	संकट चतुर्थी । क्षयः ।	
52	18	3	19	भौम	भर	प्र	6	50	च	दि	6	45	11-53 रात वृष में चन्द्र, ग्रहः, गजः ।	
55	19	4	20	बुध	कृति	दि	4	54	ष	प्र	2	30	सिद्धः ।	
57	20	5	21	गुरु	रोहि	दि	5	26	स	प्र	12	43	3-19 रात मिथुन में चन्द्र । 2-54 दिन अगस्त्यC	
10	21	6	22	शुक्र	मृग	दि	3	0	अ	प्र	11	22	दिनरात बराबर, मानसम्, महालक्ष्मी अष्टमी ।	
2	22	7	23	शनि	आर्द्र	दि	2	34	न	प्र	10	25	मकर में राहु और कर्क में केतु । मुद्गरम् ।	
4	23	8	24	रवि	पुन	दि	2	35	द	प्र	9	53	8-31 दिन कर्क में चन्द्र, वृजः ।	
7	24	9	25	सोम	तिष्या	दि	3	4	ए	प्र	9	54	सन्ध्यासियों का श्राद्ध । प्रजापत्यः ।	
9	25	10	26	भौम	अश्ले	दि	4	5	द्वा	प्र	10	24	4-5 दिन सिंह में चन्द्र । 10-12 दिन से E	
12	26	11	27	बुध	मघा	दि	5	34	त्र	प्र	11	25	चरः ।	
15	27	12	28	गुरु	पूर्वा	प्र	7	32	च	प्र	12	53	2-1 रात कन्या में चन्द्र । मुसलम् ।	
17	28	13	29	शुक्र	उफा	प्र	9	51	अ	प्र	2	28	पित्रामावसी, विजयेश्वर यात्रा, शूलम् ।	

A सिंह में केतु । B 3-50 दिन से गण्डान्त 3-11 रात तक । 9-40 दिन कन्या में सूर्य मुहूर्त 30 पर्वतीय, संक्रांतिः

प्रवर्धः । C उदय, साहिव सप्तमी, उन्मूलम् बृहस्पतिमास, E गण्डान्त 10-25 रात तक । आनन्दः ।

मध्याह्न प्रतिपद् द्वितीया अपने दिन । तृतीया, चतुर्थी पहले दिन, पष्ठी से अमावसी तक अपने दिन । श्राद्ध प्रतिपद् से चतुर्थी तक पहले दिन, पष्ठी से अमावसी तक अपने दिन ।



सप्तमि सं० 5065, विक्रम सं० 2046 आश्विन शुक्ल पक्ष ईसवी 1939, शाक : 1911

30 मिन. की ग्रह स्थिति—कन्या में सूर्य, भौम, बुध । तुला में शुक्र, मिथुन में वृहस्पति, धनु में शनि, मकर में राहु । A

राधे हिज असू सित वार नक्षत्र वजे मि. तिथि वजे मि. (ग्रह संचार वजे मिनटों में) शरदृक्तु, दक्षिणायन

28	29	14	30	शनि	हस्त प्र	12 17	प्र प्र	4 36	नवदुर्गारम्भ, मृत्युः ।
22	30	15	अक्तू	रवि	चित्रा प्र	12 43	द्वि प्र	6 37	1-34 दिन तुला में चन्द्र । चन्द्रदर्शन, काम्यः ।
25	रवी	16	2	सोम	स्वा प्र	2 48	तृ प्र	6 40	5-50 शां वृश्चिक में शुक्र, दिन अधिक, श्रीगांधी B
28	2	17	3	भौम	विशा प्र	6 41	तृ दि	8 15	1-5 रात वृश्चिक में चन्द्र । श्रीवत्सः ।
30	3	18	4	बुध	विशा दि	7 37	च दि	9 54	प्रजापत्यः ।
33	4	19	5	गुरु	अनू दि	9 31	पं दि	11 10	4-41 रात से गण्डान्त, कुमार पण्ठी व्रत, आनन्दः ।
36	5	20	6	शुक्र	ज्येष्ठा दि	10 56	ष दि	12 27	5-18 शां तक गण्डान्त । 10-56 दिन धनु में चंद्र C
38	6	21	7	शनि	मूला दि	12 0	स दि	12 49	मुसलम् । 12 वजे दिन मूल समाप्त ।
41	7	22	8	रवि	पूषा दि	12 22	अ दि	12 41	6-33 रात मकर में चन्द्र, दुर्गाष्टमी, शूलम् ।
44	8	23	9	सोम	उषा दि	12 49	न दि	12 0	महानवमी, नवरात्र समाप्त, भद्रकाली जयंती मृत्युः
46	9	24	10	भौम	श्रव दि	12 4	द दि	10 54	11-46 रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ, D
49	10	25	11	बुध	घनि दि	11 17	ए दि	9 23	जया एकादशी, मैत्रम् ।
52	11	26	12	गुरु	शत दि	10 10	द्वा दि	7 43	11-10 रात मीन में चन्द्र (त्रेप्र 5-34) वज्रम् । ग्रह
54	12	27	13	शुक्र	पूषा दि	8 48	च प्र	3 20	ध्वांक्षः ।
57	13	28	14	शनि	उषा दि	7 14	पू प्र	1 0	12-40 रात से गण्डान्त । वाल्मीकीय जयंती धौम्यः

A कर्क में केतु । B तथा लालबहादुर शास्त्री जयंती, छत्रम् । C और मूल आरम्भ, चरः । D दसेरा, अलापकः ।

मध्याह्न प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन । चतुर्थी से सप्तमी तक पहले दिन । अष्टमी अपने दिन, नवमी से द्वादशी तक पहले दिन । चतुर्दशी पूर्णिमा अपने दिन । श्राद्ध प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन, चतुर्थी से द्वादशी तक पहले दिन । पूर्णिमा अपने दिन ।

सन्तति सं 5065 । विक्रम सं 2046 कार्तिक कृष्णपक्ष ईसवी 1989, शाक : 1911

15 अक्टूबर की ग्रह स्थिति : कन्या में सूर्य, भौम, बुध । मिथुन में बृहस्पति । वृश्चिक में शुक्र । धनु में शनि । A

राशे हिज असू अक्तू वार नक्षत्र वजे मि तिथि वजे मि (ग्रह संचार मि. में) शरद ऋतु दक्षिणायन ।

14	29	15	रवि	अश्वि	प्र	3 57	प्र	प्र	10 32	5-43 प्रातः मेघ में चन्द्र और पंचक समाप्त । B	
15	30	16	सोम	भर	प्र	2 21	द्वि	प्र	8 12	8-24 रात से मासान्त । चरः ।	
5	16	कत	17	भौम	कृति	प्र	12 59	तृ	दि	6 2	8-4 प्रातः वृष में चंद्र । 8-24 रात तुला में C
7	17	2	18	बुध	राहि	प्र	11 47	च	दि	4 5	शूलम् ।
10	18	3	19	गुरु	मृग	प्र	10 54	पं	दि	2 22	11-20 दिन मिथुन में चंद्र । मृत्युः ।
13	19	4	20	शुक्र	आर्द्र	प्र	10 23	प	दि	12 59	काम्यः ।
15	20	5	21	शनि	पुन	प्र	10 18	स	दि	12 4	4-22 दिन कर्क में चंद्र । शनिमास । छत्रम् ।
19	21	6	22	रवि	तिष्या	प्र	10 41	अ	दि	11 35	श्रीवत्सः ।
20	22	7	23	सोम	अश्ले	प्र	11 34	न	दि	11 39	11-34 रात सिंह में चंद्र । 5-20 शां से D
23	23	8	24	भौम	मघा	प्र	12 57	द	दि	11 5	5-51 प्रातः तक गण्डान्त । कालदण्डः ।
25	24	9	25	बुध	पुषा	प्र	2 48	ए	दि	1 15	12-20 रात तुला में भौम, रमा एकादशी । स्थिरः
27	25	10	26	गुरु	उषा	प्र	5 0	द्वा	दि	2 43	9-21 प्रातः कन्या में चंद्र । 2-49 रात E
29	26	11	27	शुक्र	हस्त	प्र	7 5	त्र	दि	4 32	अमृतम् ।
31	27	12	28	शनि	हस्त	दि	6 13	च	प्र	6 57	9-5 रात तुला में चंद्र, महावीर जयंती । मृत्युः ।
34	28	13	29	रवि	चित्रा	दि	8 47	अं	प्र	8 39	दीपमाला, काम्यः ।

A मकर में राहु । कर्क में केतु । B 11-12 दिन तक गण्डान्त । आनन्द । C सूर्य मुहूर्त 30 समुद्रीय । संक्राति व्रत, संकट चतुर्थ, कड़वा चतुर्थी, मुसलम् । D गंडान्त । सोम्यः । E तुला में बुध । मार्तण्डः ।

मध्याह्न : प्रतिपदा से रातमी तक अपने दिन, अष्टमी से दशमी तक पहले दिन, एकादशी से अगावसी तक अपने दिन ।

श्राद्ध : प्रतिपदा से तृतीया तक अपने दिन, चतुर्थी से त्रयोदशी तक पहले दिन, चतुर्दशी से अमावसी तक अपने दिन ।



4-23 दिन से	7-39 प्रातः से	9 अक्तूबर नवमी सोमवार	7-50 रात तक (मे)
5-45 दिन तक (कुं)	9-31 दिन तक (तु)	7-25 प्रातः से	2-23 रात से
8-34 रात से	6 अक्तूबर षष्ठी शुक्रवार	9-51 दिन तक तक (तु)	4-45 रात तक (सि)
10-27 रात तक (वृ)	10-56 दिन से	9-51 दिन से	14 अक्तूबर पूर्णिमा शनि.
3-7 रात से	12-3 दिन तक (वृ)	12-12 दिन तक (वृ)	7-6 प्रातः से
5-31 रात तक (सिंह)	4-4 दिन से	3-53 दिन से	9-34 दिन तक (तु)
2 अक्तूबर तृतीया सोमवार	5-26 शां तक (कुं)	5-15 दिन तक (कुं)	9-34 दिन से
8-31 रात से	6-46 रात से	6-34 रात से	11-54 दिन तक (वृ)
10-23 रात तक (वृ)	8-16 रात तक (मे)	8-5 रात तक (मे)	3-34 दिन से
4 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार	2-49 रात से	8-5 रात से	4-57 दिन तक (कुं)
7-43 प्रातः से	5-12 रात तक (सि)	9-58 रात तक (वृ)	6-16 रात से
10-9 दिन तक (तु)	7 अक्तूबर सप्तमी शनिवार	2-38 रात से	7-46 रात तक (मे)
10-9 दिन से	7-32 प्रातः से	5-1 रात तक (सि)	2-19 रात से
12-30 दिन तक (वृ)	9-59 दिन तक (तु)	13 अक्तूबर चतुर्दशी शुक्रवार	4-43 रात तक (सिंह)
4-11 दिन से	9-59 दिन से	8-48 दिन से	कार्तिक कृष्ण पक्ष
5-34 दिन तक (कुं)	12-20 दिन तक (वृ)	9-36 दिन तक (तु)	15 अक्तूबर रविवार
6-53 रात स	8 अक्तूबर अष्टमी रविवार	9-36 दिन से	6-59 प्रातः से
8-23 रात तक (मे)	6-38 रात से	11-57 दिन तक (वृ)	9-25 दिन तक (तु)
2-56 रात से	8-8 रात तक (मे)	3-38 दिन से	9-25 दिन से
5-20 रात तक (सि)	2-41 रात से	5-0 दिन तक (कुं)	11-17 दिन तक (वृ)
5 अक्तूबर पंचमी गुरुवार	5-5 रात तक (सिंह)	6-20 रात से	2-12 रात से

4-35 रात तक (सि)	26 अक्तूबर द्वादशी गुरुवार	12-39 दिन से	2-5 दिन से
18 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार	8-46 दिन से	2-17 दिन तक (मं)	3-28 दिन तक (कुं)
9-17 दिन से	11-8 दिन तक (वृ)	4 नवंबर षष्ठी शनिवार	3-28 दिन से
11-38 दिन तक (वृ)	2-49 दिन से	12-58 रात से	4-47 दिन तक (मी)
3-20 दिन से	4-12 दिन तक (कुं)	3-22 रात तक (सि)	6-21 रात से
4-42 दिन तक (कुं)	1-34 रात से	5 नवंबर सप्तमी रविवार	8-1 रात तक (वृ)
2-4 रात से	3-58 रात तक (सि)	8-6 दिन से	9 नवंबर एकादशी गुरुवार
4-28 रात तक (सि)	27 अक्तू. त्रयोदशी शुक्रवार	10-28 दिन तक (वृ)	6-5 रात से
19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार	8-43 दिन से	2-9 दिन से	7-58 रात तक (वृ)
9-13 दिन से	11-4 दिन तक (वृ)	3-32 दिन तक (कुं)	12-38 रात से
11-34 दिन तक (वृ)	2-54 दिन से	3-32 दिन से	3-2 रात तक (सि)
3-16 दिन से	4-8 दिन तक (कुं)	4-51 दिन तक (मी)	3-2 रात से
4-38 दिन तक (कुं)	1-34 रात से	6-21 रात से	5-25 रात तक (कं)
2-0 रात से	3-58 रात तक (सि)	8-14 रात तक (वृ)	10 नवंबर द्वादशी शुक्रवार
4-24 रात तक (सि)	कार्तिक शुक्ल पक्ष	12-54 रात से	7-46 प्रातः से
23 अक्तूबर नवमी सोमवार	1 नवंबर तृतीया बुध.	3-28 रात तक (सिंह)	10-8 दिन तक (वृ)
1-42 रात से	12-47 दिन से	3-28 रात से	1-49 दिन से
4-6 रात तक (सिंह)	2-25 दिन तक (मं)	5-41 रात तक (कं)	3-12 दिन तक (कुं)
25 अक्तूबर एकादशी बुध	3 नव. पंचमी शुक्रवार	6 नवंबर अष्टमी सोमवार	6-1 रात से
2-48 रात से	8-14 दिन से	8-2 दिन से	7-54 रात तक (वृ)
4-2 रात तक (सि)	10-36 दिन (वृ)	10-24 दिन तक (वृ)	12-34 रात से



2-58 रात तक (सिं)	20 नवम्बर अष्टमी सोमवार	2-1 रात तक (सिं)	2-11 दिन से
2-58 रात से	11-31 दिन से	2-1 रात से	3-30 दिन तक (मी)
5-2 रात तक (कं)	1-10 दिन तक (मं)	4-33 रात तक (कं)	9-9 रात से
11 नवम्बर त्रयोदशी शनिवार	1-10 दिन से	23 नवम्बर एकादशी गुरुवार	11-33 रात तक (क)
7-42 प्रातः से	2-32 दिन तक (कु)	1-19 दिन से	11-33 रात से
10-4 दिन तक (वृ)	2-32 दिन से	2-57 दिन तक (मं)	1-58 रात तक (सिं)
1-46 दिन से	3-51 दिन तक (मी)	2-57 दिन से	1-58 रात से
3-8 दिन तक (कु)	9-29 रात से	2-20 दिन तक (कु)	4-20 रात तक (क)
5-57 रात से	11-54 रात तक (कं)	2-20 दिन से	26 नवम्बर त्रयोदशी रविवार
7-51 रात तक (वृ)	2-18 रात से	3-39 दिन तक (मी)	11-6 दिन से
12-30 रात से	4-41 रात तक (कं)	9-17 रात से	12-45 दिन तक (मं)
2-54 रात तक (सिं)	22 नवम्बर दशमी बुधवार	11-42 रात तक (क)	12-45 दिन से
2-54 रात से	11-23 दिन से	11-42 रात से	2-7 दिन तक (कु)
5-17 रात तक (कं)	1-2 दिन तक (मं)	2-6 रात तक (सिं)	2-7 दिन से
12 नवम्बर चतुर्दशी रविवार	1-2 दिन से	2-6 रात से	3-36 दिन तक (मी)
7-38 प्रातः से	2-24 दिन तक (कु)	4-29 रात तक (कं)	मार्ग शुक्ल पक्ष
10 दिन तक (वृ)	2-24 दिन से	25 नवम्बर द्वादशी शनिवार	30 नवम्बर द्वितीया गुरुवार
मार्ग कृष्ण पक्ष	3-43 दिन तक (मी)	11-10 दिन से	10-49 दिन से
15 नवम्बर तृतीया बुधवार	9-21 रात से	12-49 दिन तक (मं)	12-28 दिन तक (म)
7-27 प्रातः से	11-46 रात तक (क)	12-49 दिन से	12-28 दिन से
9-48 दिन तक (वृ)	11-46 रात से	2-11 दिन तक (कु)	1-50 दिन तक (कु)

1-50 दिन से	1-36 दिन तक (कुं)	7 दिसम्बर नवमी गुरुवार	1-1 रात तक (सि)
3-9 दिन तक (मी)	1-36 दिन से	10-19 दिन से	1-1 रात से
8-47 रात से	2-56 दिन तक (मी)	11-57 दिन तक (मं)	3-24 रात तक (कं)
11-14 रात तक (क)	8-34 रात से	11-57 दिन से	9 दिसम्बर द्वादशी शनिवार
11-14 रात से	10-59 रात तक (क)	1-19 दिन तक (कुं)	10-10 दिन से
1-36 रात तक (सि)	10-59 रात से	8-17 रात से	11-49 दिन तक (मं)
1-36 रात से	1-23 रात तक (सि)	10-42 रात तक (क)	11-49 दिन से
3-59 रात तक (कं)	1-23 रात से	10-42 रात से	1-10 दिन तक (कुं)
2 दिसम्बर चतुर्थी शनिवार	3-46 रात तक (कं)	1-6 रात तक (सि)	1-10 दिन से
12-19 दिन से	4 दिसम्बर वृष्ठी सोमवार	1-6 रात से	2-3 दिन तक (मी)
1-36 दिन तक (कुं)	12-10 दिन से	3-29 रात तक (कं)	11 दिसम्बर चतुर्दशी सोमवार
1-36 दिन से	1-32 दिन तक (कुं)	8 दिसम्बर दशमी शुक्रवार	8-4 रात से
2-56 दिन तक (मी)	1-32 दिन से	10-14 दिन से	10-29 रात तक (क)
8-39 रात से	2-52 दिन तक (मी)	11-53 दिन तक (मं)	10-29 रात से
11-3 रात तक (क)	10-50 रात से	11-53 दिन से	12-53 रात तक (सि)
11-3 रात से	1-14 रात तक (सि)	1-15 दिन तक (कुं)	12-53 रात से
1-27 रात तक (सि)	1-14 रात से	1-15 दिन से	3-16 रात तक (कं)
1-27 रात से	3-37 रात तक (कं)	2-36 दिन तक (मी)	पौष कृष्ण पक्ष
3-50 रात तक (कं)	6 दिसम्बर अष्टमी बुधवार	8-13 रात से	13 दिसम्बर प्रति बुधवार
3 दिसम्बर पंचमी रविवार	1-10 रात से	10-37 रात तक (क)	9-53 दिन से
12-14 दिन से	3-33 रात तक (कं)	10-37 रात से	11-31 दिन तक (म)



11-31 दिन से	31 जनवरी पंचमी बुधवार	12-7 दिन तक (मे)	फाल्गुण कृष्ण पक्ष
12-54 दिन तक (कु)	7-59 दिन से	12-7 दिन से	10 फरवरी प्रति शनिवार
12-54 दिन से	9-22 दिन तक (कु)	2-0 दिन तक (वृ)	7-20 प्रातः से
2-13 दिन तक (मी)	10-41 दिन से	6-40 रात से	8-42 दिन तक (कुं)
माघ शुक्र पक्ष	12-11 दिन तक (मे)	9-4 रात तक (सि)	8-42 दिन से
27 जनवरी प्रति शनिवार	12-11 दिन से	9-4 रात से	10-1 दिन तक (मी)
7-40 रात से	2-4 दिन तक (वृ)	11-27 रात तक (कं)	10-1 दिन से
9-23 रात तक (सि)	6-44 रात से	11-27 रात से	11-31 दिन तक (मे)
9-23 रात से	9-8 रात तक (सि)	1-52 रात तक (तु)	11-31 दिन से
11-47 रात तक (क)	9-8 रात से	1-52 रात से	1-24 दिन तक (वृ)
11-47 रात से	11-31 रात तक (कं)	4-14 रात तक (वृ)	6-4 रात से
2-12 रात तक (तु)	11-31 रात से	2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार	8-28 रात तक (सि)
4-34 रात से	1-56 रात तक (तु)	7-51 प्रातः से	14 फरवरी पंचमी बुधवार
6-37 रात तक (घ)	1-56 रात से	9-14 दिन तक (कुं)	8-22 दिन से
28 जनवरी द्वितीया रविवार	4-18 रात तक (वृ)	9-14 दिन से	9-41 दिन तक (मी)
9-34 दिन से	1 फरवरी षष्ठी गुरुवार	10-33 दिन तक (मी)	9-41 दिन से
10-53 दिन तक (मी)	7-55 प्रातः से	10-33 दिन से	11-11 दिन तक (मे)
10-53 दिन से	9-18 दिन तक (कुं)	12-3 दिन तक (मे)	10-31 रात से
12-23 दिन तक (मे)	9-18 दिन से	5 फरवरी एकादशी सोमवार	12-57 रात तक (वृ)
12-23 दिन से	10-37 दिन तक (मी)	7-39 प्रातः से	12-57 रात से
2-16 दिन तक (वृ)	10-37 दिन से	8-3 दिन तक (कुं)	3-18 रात तक (वृ)

15 फरवरी षष्ठी गुरुवार 8-4 रात से 10-27 रात तक (कं) 12-53 रात से 3-14 रात तक (वृ)	10-15 रात तक (कं) फाल्गुण शुक्ल पक्ष 26 फरवरी प्रति सोमवार 1-16 रात से 2-32 रात तक (वृ)	3 मार्च सप्तमी शनिवार 7-4 रात से 9-27 रात (कं) 9-27 रात से 11-52 रात तक (तु) 11-52 रात से 2-14 रात तक (वृ)	12-31 दिन से 2-54 दिन तक (सि) 11 मई षष्ठी गुरुवार 5-45 प्रातः से 7-38 दिन तक (वृ) 12-18 दिन से 2-42 दिन तक (सि) ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष
16 फरवरी षष्ठी शुक्रवार 8-14 दिन से 9-33 दिन तक (भी)	28 फरवरी तृतीया बुधवार 8-49 दिन से 10-18 दिन तक (मे) 10-18 दिन से 12-11 दिन तक (वृ)	9 मार्च त्रयोदशी शुक्रवार 6-41 रात से 19-5 रात तक (कं) 19-5 रात से 11-30 रात तक (तु) 11-30 रात से 1-51 रात तक (वृ)	25 मई पंचमी गुरुवार 11-25 दिन से 1-49 दिन तक (सि) कार्तिक कृष्ण पक्ष
17 फरवरी सप्तमी शनिवार 8-3 रात से 10-19 रात तक (कं) 10-19 रात से 12-45 रात तक (तु)	7-12 रात से 9-34 रात तक (कं) 9-34 रात से 12-0 रात तक (तु)		18 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार 4-5 दिन से 4-42 दिन तक (कुं)
18 फरवरी अष्टमी रविवार 8-10 दिन से 9-29 दिन तक (भी) 9-29 दिन से 10-59 दिन तक (मे) 10-59 दिन से 12-52 दिन तक (वृ) 7-2 रात से	1 मार्च पंचमी गुरुवार 7-25 प्रातः से 8-44 दिन तक (भी) 10-14 दिन से 12-7 दिन तक (वृ) 7-12 रात से 8-48 रात तक (कं)	<b>शंक्रु प्रतिष्ठा</b> दक्षिण—उत्तर मुख वैशाख शुक्ल पक्ष 8 मई तृतीया सोमवार 5-57 प्रातः से 7-51 दिन तक (वृ)	19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार 3-16 दिन से 4-36 दिन तक (कुं) कार्तिक शुक्ल पक्ष 1 नवम्बर तृतीया बुधवार 2-25 दिन से



3-48 दिन तक (कुं)	7-20 प्रातः से	10-19 दिन तक (कं)	12-7 दिन से
मार्ग कृष्ण पक्ष	9-44 दिन तक (सिं)	भाद्र शुक्ल पक्ष	2-1 दिन तक (वृ)
15 नवम्बर तृतीया बुधवार	9-44 दिन से	13 सितम्बर त्रयोदशी बुधवार	फाल्गुण कृष्ण पक्ष
1-30 दिन से	12-7 दिन तक (कं)	6-34 प्रातः से	14 फरवरी पंचमी बुधवार
2-52 दिन तक (कुं)	श्रावण शुक्ल पक्ष	9-57 दिन तक (कं)	11-11 दिन से
18 नवम्बर षष्ठी शनिवार	7 अगस्त षष्ठी सोमवार	माघ शुक्र पक्ष	1-4 दिन तक (वृ)
1-18 दिन से	6-24 प्रातः से	29 जनवरी तृतीया सोमवार	1-4 दिन से
2-44 दिन तक (कुं)	8-48 दिन तक (सिं)	12-19 दिन से	3-19 दिन तक (मी)
पूर्व पश्चिम मुख	8-48 दिन से	2-12 दिन तक (वृ)	16 फरवरी षष्ठी शुक्रवार
श्रावण कृष्ण पक्ष	11-10 दिन तक (कं)	2-12 दिन से	11-3 दिन से
20 जुलाई द्वितीया गुरुवार	9 अगस्त सप्तमी बुधवार	4-27 दिन तक (मि)	12-56 दिन तक (वृ)
7-37 प्रातः से	6-16 प्रातः से	31 जनवरी पंचमी बुधवार	12-56 दिन से
10-0 दिन तक (सिं)	8-40 दिन तक (सिं)	7-59 प्रातः से	3-11 दिन तक (मी)
10-0 दिन से	8-40 दिन से	9-22 दिन तक (कुं)	फाल्गुण शुक्र पक्ष
2-24 दिन तक (कं)	11-3 दिन तक (कं)	12-11 दिन से	28 फरवरी तृतीया बुधवार
21 जुलाई तृतीया शुक्रवार	भाद्र कृष्ण पक्ष	2-4 दिन तक (वृ)	7-29 प्रातः से
7-32 प्रातः से	18 अगस्त द्वितीया शुक्रवार	2-4 दिन से	8-3 दिन तक (मी)
9-56 दिन तक (सिं)	8-12 दिन से	4-19 दिन तक (मी)	
9-56 दिन से	10-35 दिन तक (कं)	1 फरवरी षष्ठी गुरुवार	
12 20 दिन तक (कं)	21 अगस्त पंचमी सोमवार	7-55 प्रातः से	
24 जुलाई षष्ठी सोमवार	7-55 प्रातः से	9-18 दिन तक (कुं)	

# प्रवेश सुहृत्

वैशाख शुक्ल पक्ष

8 मई तृतीया सोमवार

6-0 प्रातः से

7-51 प्रातः तक (बृ)

12-30 दिन से

2-54 दिन तक (सि)

10 मई पंचमी बुधवार

5-49 प्रातः से

7-42 प्रातः तक (वृ)

12-22 दिन से

2-46 दिन तक (सि)

11 मई षष्ठी गुरुवार

5-45 प्रातः से

7-38 प्रातः तक (वृ)

15 मई दशमी सोमवार

12-6 दिन से

2-39 दिन तक (सि)

17 मई द्वादशी बुधवार

11-58 दिन से

2-2 दिन तक (सि)

18 मई त्रयोदशी गुरुवार

11-54 दिन से

2-18 दिन तक (सि)

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरुवार

11-25 दिन से

1-49 दिन तक (सि)

आषाढ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुधवार

8-37 दिन से

11-1 दिन तक (सि)

10 जुलाई सप्तमी सोमवार

8-15 दिन से

10-39 दिन तक (सि)

14 जुलाई एकादशी शुक्रवार

7-58 प्रातः से

10-22 दिन तक (सि)

15 जुलाई द्वादशी शनिवार

7-54 प्रातः से

10-18 दिन तक (सि)

आश्विन शुक्ल पक्ष

4 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार

4-11 दिन 5-34 दिन तक

5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार

5-30 दिन तक (कु)

11 अक्तूबर एकादशी बुधवार

3-46 दिन से

5-8 दिन तक (कु)

12 अक्तूबर द्वादशी गुरुवार

3-42 दिन से

5-4 दिन तक (कु)

कार्तिक कृष्ण पक्ष

19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

3-16 दिन से

4-38 दिन तक (कु)

कार्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवम्बर तृतीया बुधवार

2-25 दिन से

3-58 दिन तक (कु)

8 नवम्बर दशमी बुधवार

3-20 दिन से

4-39 दिन तक (मी)

10 नवम्बर द्वादशी शुक्रवार

1-49 दिन से

3-12 दिन तक (कु)

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवम्बर तृतीया बुधवार

1-30 दिन से

2-52 दिन तक (कु)

2-52 दिन से

4-1 दिन तक (मी)

मार्ग शुक्ल पक्ष

4 दिसम्बर षष्ठी सोमवार

12-10 दिन से

1-32 दिन तक (कु)

1-32 दिन से

2-52 दिन तक (मी)

7 दिसम्बर नवमी गुरुवार

11-57 दिन से

1-19 दिन तक (कु)

8 दिसम्बर दशमी शुक्रवार

11-53 दिन से



1-15 दिन तक (कुं)

माघ शुक्ल पक्ष

31 जनवरी पंचमी बुधवार

7-59 प्रातः से

9-22 दिन तक (कुं)

5 फरवरी एकादशी सोमवा

7-39 प्रातः से

9-2 दिन तक (कुं)

9-2 दिन से

10-21 दिन तक (मी)

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुधवार

8-22 दिन से

9-41 दिन तक (मी)

11-11 दिन से

1-4 दिन तक (वृ)

फाल्गुण शुक्ल पक्ष

7 मार्च एकादशी बुधवार

1-29 दिन से

2-1 दिन तक (मि)

4-25 दिन से

**कीलक मुहूर्त**

(छत डालना)

वैशाख शुक्ल पक्ष

8 मई तृतीया सोमवार

11-32 दिन तक

10 मई पंचमी बुधवार

10-16 दिन तक

11 मई षष्ठी गुरुवार

18 मई त्रयोदशी गुरुवा

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरुवार

आषाढ़ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुधवार

4-22 दिन तक

14 जुलाई एकादशी शुक्र

9-37 दिन से

श्रावण कृष्ण पक्ष

20 जुलाई द्वितीया गुरुवा

12-11 दिन तक

6-45 दिन तक (सि)

आश्विन शुक्ल पक्ष

4 अक्तूबर बुधवार

7-37 प्रातः से

5 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

कार्तिक कृष्ण पक्ष

19 अक्तूबर पंचमी गुरुवा

2-22 दिन तक

कार्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवम्बर तृतीया बुधवार

4-55 दिन तक

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवम्बर तृतीया बुधवार

मार्ग शुक्ल पक्ष

4 दिसम्बर षष्ठी सोमवार

3-38 दिन तक

माघ शुक्ल पक्ष

5 फरवरी एकादशी सोमवा

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

28 मार्च तृतीया बुधवार

8-2 प्रातः तक

चूल्हा बनाने के

**चूल्हा बनाने के**

के मुहूर्त

वैशाख शुक्ल पक्ष

10 मई पंचमी बुधवार

11 मई षष्ठी गुरुवार

17 मई द्वादशी बुधवार

12-21 दिन तक

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरुवार

26 मई षष्ठी शुक्रवार

आषाढ़ कृष्ण पक्ष

28 जून दशमी बुधवार

आषाढ़ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुधवार

7 जुलाई चतुर्थी शुक्रवार

7-31 शां से

13 जुलाई दशमी गुरुवार

8 प्रातः तक

14 जुलाई एकादशी शुक्रवार

9-37 दिन तक

श्रावण कृष्ण पक्ष  
 20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
 श्रावण शुक्ल पक्ष  
 93 अगस्त सप्तमी बुधवार  
 11 अगस्त नवमी शुक्रवार  
 10-22 दिन से  
 आश्विन शुक्ल पक्ष  
 4 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार  
 9-45 दिन से  
 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार  
 मार्ग कृष्ण पक्ष  
 15 नवम्बर तृतीया बुधवार  
 7-48 प्रातः से  
 22 नवम्बर दशमी बुधवार  
 10-10 दिन तक  
 24 नवम्बर द्वादशी शुक्रवार  
 3-39 दिन तक  
 मार्ग शुक्ल पक्ष  
 29 नवम्बर प्रति बुधवार  
 8-34 दिन से  
 पौष कृष्ण पक्ष

14 दिसंबर द्वितीया गुरुवार  
 2-29 दिन से  
 माघ शुक्ल पक्ष  
 1 फरवरी षष्ठी गुरुवार  
 2-13 दिन से  
 7 फरवरी त्रयोदशी बुधवार  
 फाल्गुण कृष्ण पक्ष  
 14 फरवरी पंचमी बुधवार  
 12-21 दिन तक  
 15 षष्ठी गुरुवार  
 2-50 दिन से  
 16 फरवरी षष्ठी शुक्रवार  
 22 फरवरी द्वादशी गुरुवार  
 23 त्रयोदशी शुक्रवार  
 3-38 दिन तक  
 फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
 1 मार्च पंचमी गुरुवार  
 7 मार्च एकादशी बुधवार  
 1-29 दिन तक

## वस्त्र भूषणादि

धारण करने के मुहूर्त  
 (दोनों स्त्री पुरुषों के लिये)  
 चैत्र शुक्ल पक्ष  
 7 अप्रैल द्वितीया शुक्रवार  
 20 अप्रैल चतुर्दश गुरुवार  
 वैशाख कृष्ण पक्ष  
 23 अप्रैल द्वितीया रविवार  
 वैशाख शुक्ल पक्ष  
 17 मई द्वादशी बुधवार  
 18 मई त्रयोदशी गुरुवार  
 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
 21 मई प्रतिपद् रविवार  
 1 जून द्वादशी गुरुवार  
 11-14 दिन तक  
 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष  
 16 जून द्वादशी शुक्रवार  
 आषाढ़ कृष्ण पक्ष  
 23 जून चतुर्थी शुक्रवार  
 28 जून दशमी बुधवार

आषाढ़ शुक्ल पक्ष  
 13 जुलाई दशमी गुरुवार  
 14 जुलाई एकादशी शुक्रवार  
 श्रावण कृष्ण पक्ष  
 20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
 12-11 दिन से  
 21 जुलाई तृतीया शुक्रवार  
 श्रावण शुक्ल पक्ष  
 9 अगस्त सप्तमी बुधवार  
 7-30 प्रातः तक  
 11 अगस्त नवमी शुक्रवार  
 10-22 दिन से  
 भाद्र शुक्ल पक्ष  
 3 सितम्बर तृतीया बुधवार  
 6 सितम्बर षष्ठी बुधवार  
 7 सितम्बर सप्तमी गुरुवार  
 13 सितम्बर त्रयोदशी बुधवार  
 आश्विन शुक्ल पक्ष  
 1 अक्टूबर द्वितीया रविवार  
 4 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार  
 10-0 दिन से



5 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

11 अक्तूबर एकादशी बुधवार

कार्तिक कृष्ण पक्ष

15 अक्तूबर प्रतिपद् रविवार

27 अक्तूबर त्रयोदशी शुक्रवार

कार्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवंबर तृतीया बुधवार

4-5 दिन तक

मार्ग कृष्ण पक्ष

23 नवंबर एकादशी गुरुवार

24 नवंबर द्वादशी शुक्रवार

26 नवंबर त्रयोदशी रविवार

मार्ग शुक्ल पक्ष

8 दिसंबर दशमी शुक्रवार

पौष कृष्ण पक्ष

22 दिसंबर दशमी शुक्रवार

24 दिसंबर द्वादशी रविवार

माघ कृष्ण पक्ष

17 जनवरी षष्ठी बुधवार

18 जनवरी सप्तमी गुरुवार

21 जनवरी दशमी रविवार

माघ शुक्ल पक्ष

28 जनवरी द्वितीया रविवार

2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुधवार

15 फरवरी षष्ठी गुरुवार

16 फरवरी षष्ठी शुक्रवार

18 अष्टमी रविवार

फाल्गुण शुक्ल पक्ष

1 मार्च पंचमी गुरुवार

**वस्त्रादि धारण**

मुहूर्त केवल पुरुषों के

वैशाख कृष्ण पक्ष

27 अप्रैल षष्ठी गुरुवार

28 अप्रैल सप्तमी शुक्रवार

1 बजे दिन तक

3 मई त्रयोदशी बुधवार

6-16 प्रातः तक

वैशाख शुक्ल पक्ष

7 अप्रैल द्वितीया रविवार

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष

4 जून प्रतिपद् रविवार

आषाढ़ कृष्ण पक्ष

21 जून द्वितीया बुधवार

30 जून द्वादशी शुक्रवार

5-11 सायं से

आषाढ़ शुक्ल पक्ष

9 जुलाई षष्ठी रविवार

श्रावण कृष्ण पक्ष

18 जुलाई एकादशी शुक्रवार

श्रावण शुक्ल पक्ष

6 अगस्त पंचमी रविवार

7 बजे 17 प्रातः तक

आश्विन कृष्ण पक्ष

20 सितंबर षष्ठी बुधवार

4-54 दिन से

21 सितंबर गुरुवार

5-26 सायं तक

कार्तिक कृष्ण पक्ष

18 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार

4-5 शां से

26 अक्तूबर द्वादशी गुरुवार

कार्तिक शुक्ल पक्ष

5 नवंबर सप्तमी रविवार

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवंबर तृतीया बुधवार

7-48 प्रातः तक

23 नवंबर एकादशी गुरुवार

12-17 दिन तक

मार्ग शुक्ल पक्ष

7 दिसंबर नवमी गुरुवार

7-38 प्रातः से

पौष कृष्ण पक्ष

20 दिसंबर अष्टमी बुधवार

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

11 फरवरी द्वादशी गुरुवार

**दिवचक्षोर मु.**

वैशाख शुक्ल पक्ष

17 मई द्वादशी बुधवार

18 मई त्रयोदशी गुरुवार

29 मई चतुर्दशी शुक्रवार

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

21 मई प्रतिपद् रविवार कार्तिक शुक्ल पक्ष  
 आपाढ़ कृष्ण पक्ष 1 नवंबर तृतीया बुधवार  
 23 जून चतुर्थी शुक्रवार मार्ग शुक्ल पक्ष  
 आपाढ़ शुक्ल पक्ष 8 दिसंबर दशमी शुक्रवार  
 12 जुलाई नवमी बुधवार माघ शुक्ल पक्ष  
 13 जुलाई दशमी गुरुवार 28 जनवरी द्वितीया रविवार  
 14 जुलाई एकादशी शुक्रवार 1 फरवरी पष्ठी गुरुवार  
 श्रावण कृष्ण पक्ष 2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार  
 21 जुलाई तृतीया शुक्रवार फाल्गुण कृष्ण पक्ष  
 श्रावण शुक्ल पक्ष 14 फरवरी पंचमी बुधवार  
 6 अगस्त पंचमी रविवार फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
 9 अगस्त सप्तमी बुधवार 1 मार्च पंचमी गुरुवार  
 10 अगस्त अष्टमी गुरुवार विद्यारम्भ मुहूर्त  
 आश्विन शुक्ल पक्ष अथवा  
 1 अक्टूबर द्वितीया रविवार (स्कूल के प्रवेश)  
 4 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार वैशाख शुक्ल पक्ष  
 9-54 दिन ले 11 मई पष्ठी गुरुवार  
 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार 12 मई सप्तमी शुक्रवार  
 11 अक्टूबर एकादशी बुधवार 11 बजे दिन तक  
 कार्तिक कृष्ण पक्ष 18 मई त्रयोदशी गुरुवार  
 15 अक्टूबर प्रतिपद् रविवार ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरुवार कार्तिक शुक्ल पक्ष  
 आपाढ़ कृष्ण पक्ष 3 नवंबर पंचमी शुक्रवार  
 22 जून तृतीया गुरुवार 9 नवंबर एकादशी गुरुवार  
 9-53 दिन तक 10 नवंबर द्वादशी शुक्रवार  
 आपाढ़ शुक्ल पक्ष मार्ग कृष्ण पक्ष  
 6 जुलाई तृतीया गुरुवार 17 नवंबर पंचमी शुक्रवार  
 10-15 दिन तक मार्ग शुक्ल पक्ष  
 13 जुलाई दशमी गुरुवार 30 नवंबर द्वितीया गुरुवार  
 श्रावण कृष्ण पक्ष माघ शुक्ल पक्ष  
 20 जुलाई द्वितीया गुरुवार 2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार  
 21 जुलाई तृतीया शुक्रवार 12-39 दिन तक  
 श्रावण शुक्ल पक्ष फाल्गुण कृष्ण पक्ष  
 4 अगस्त तृतीया शुक्रवार 15 फरवरी पष्ठी गुरुवार  
 आश्विन शुक्ल पक्ष फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार 1 मार्च पंचमी गुरुवार  
 9-31 दिन तक 8 मार्च द्वादशी गुरुवार  
 6 अक्टूबर पष्ठी शुक्रवार  
 12-27 दिन से दीपदान मुहूर्त  
 कार्तिक कृष्ण पक्ष अश्विन शुक्ल पक्ष  
 19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार 14 अक्टूबर पूर्णिमा शनिवार  
 2-22 दिन तक



कार्तिक शुक्ल पक्ष

- 1 नवंबर तृतीया बुधवार
- 3 नवंबर पंचमी शुक्रवार
- 6 नवंबर अष्टमी सोमवार
- 13 नवंबर पूर्णिमा सोमवार
- माघ शुक्ल पक्ष
- 5 फरवरी एकादशी सोमवार
- फाल्गुन कृष्ण पक्ष
- 14 फरवरी पंचमी बुधवार
- फाल्गुन शुक्ल पक्ष
- 2 मार्च षष्ठी शुक्रवार
- 9 मार्च त्रयोदशी शुक्रवार

**वाग्दान सुहृत्**

(गण्डन)

वंशाख कृष्णपक्ष

- 3 मई त्रयोदशी बुधवार
- वंशाख शुक्ल पक्ष
- मई द्वितीया रविवार
- 8 मई तृतीय सोमवार
- 11-32 दिन तक

15 मई दशमी सोमवार

17 मई द्वादशी बुधवार

18 मई त्रयोदशी गुरुवार

2-51 दिन से

ज्येष्ठ कृष्णपक्ष

21 मई प्रतिपद रविवार

25 मई पंचमी गुरुवार

आषाढ कृष्णपक्ष

25 जून सप्तमी रविवार

आषाढ शुक्ल पक्ष

7 जुलाई चतुर्थी शुक्रवार

11-4 दिन से

9 जुलाई षष्ठी रविवार

10 जुलाई सप्तमी सोमवार

14 जुलाई एकादशी शुक्रवार

9-37 दिन से

श्रावण कृष्ण पक्ष

20 जुलाई द्वितीया गुरुवार

23 जुलाई पंचमी रविवार

28 जुलाई एकादशी शुक्रवार

श्रावण शुक्ल पक्ष

3 अगस्त द्वितीया गुरुवार

4 अगस्त तृतीया शुक्रवार

6 अगस्त पंचमी रविवार

7 अगस्त षष्ठी सोमवार

9 अगस्त सप्तमी बुधवार

13 अत एकादशी रविवार

आश्विन शुक्ल पक्ष

2 अक्टूबर तृतीया सोमवार

5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार

9 अक्टूबर नवमी सोमवार

2-49 दिन से

कार्तिक कृष्ण पक्ष

18 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार

19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार

25 अक्टूबर एकादशी बुधवार

26 अक्टूबर द्वादशी गुरुवार

27 अक्टूबर त्रयोदशी शुक्रवार

कार्तिक शुक्ल पक्ष

30 अक्टूबर प्रतिपद सोमवार

12-38 दिन तक

1 नवंबर तृतीय बुधवार

3 नवंबर पंचमी शुक्रवार

5 नवंबर सप्तमी रविवार

10 नवंबर द्वादशी शुक्रवार

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवंबर तृतीया बुधवार

22 नवंबर दशमी बुधवार

23 नवंबर एकादशी गुरुवार

26 नवंबर त्रयोदशी रविवार

मार्ग शुक्ल पक्ष

30 नवंबर द्वितीय गुरुवार

1 दिसम्बर तृतीया शुक्रवार

3 दिसम्बर पंचमी रविवार

8 दिसम्बर दशमी शुक्रवार

माघ शुक्ल पक्ष

31 जनवरी पंचमी बुधवार

5 फरवरी एकादशी सोमवार

फाल्गुन शुक्ल पक्ष

9 मार्च त्रयोदशी शुक्रवार

1-33 दिन से

**बुध देने के मुहूर्त**

- वैशाख शुक्ल पक्ष  
 11 मई षष्ठी गुरुवार  
 10-13 दिन से  
 16 मई एकादशी भौमवार  
 9-42 दिन से  
 5-14 सां तक  
 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
 21 मई प्रतिपद रविवार  
 23 मई तृतीया भौमवार  
 आषाढ़ शुक्ल पक्ष  
 4 जुलाई प्रतिपद भौमवार  
 12-24 दिन से  
 आषाढ़ कृष्ण पक्ष  
 20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
 12-11 दिन तक  
 आषाढ़ शुक्ल पक्ष  
 13 अगस्त एकादशी रविवार  
 1 -22 दिन तक  
 आश्विन शुक्ल पक्ष  
 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार

- 9-31 दिन से  
 10 अक्टूबर दशमी भौमवार  
 12-4 दिन तक  
 कार्तिक कृष्ण पक्ष  
 19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार  
 2-22 दिन तक  
 मार्ग कृष्ण पक्ष  
 23 नवंबर एकादशी गुरुवार  
 12-17 दिन तक  
 भाद्र शुक्ल पक्ष  
 30 नवंबर द्वितीया गुरुवार  
 3 दिसंबर पंचमी रविवार  
 5-4 सायं तक  
 फाल्गुण कृष्णपक्ष  
 20 फरवरी दशमी भौमवार  
 फाल्गुण शुक्लपक्ष  
 6 मार्च दशमी भौमवार  
 12-24 दिन से

**जातकर्म मुहूर्त****काहनेथर**

वैशाख शुक्ल पक्ष

- 7 मई द्वितीया रविवार  
 8 मई तृतीया सोमवार  
 11-32 दिन तक  
 10 मई पंचमी बुधवार  
 11 मई षष्ठी गुरुवार  
 15 मई दशमी सोमवार  
 7-17 प्रातः से  
 17 मई द्वादशी बुधवार  
 12-21 दिन तक  
 18 मई त्रयोदशी गुरुवार  
 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
 25 मई पंचमी गुरुवार  
 आषाढ़ शुक्ल पक्ष  
 5 जुलाई द्वितीया बुधवार  
 9 जुलाई षष्ठी रविवार  
 10 जुलाई सप्तमी सोमवार  
 13 जुलाई दशमी गुरुवार  
 8 वजे प्रातः तक  
 14 जुलाई एकादशी शुक्रवार  
 9-37 दिन से  
 आषाढ़ कृष्ण पक्ष  
 20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
 21 जुलाई तृतीया शुक्रवार  
 23 जुलाई पंचमी रविवार  
 8-23 प्रातः से  
 1-25 दिन तक  
 आषाढ़ शुक्ल पक्ष  
 6 अगस्त पंचमी रविवार  
 7 अगस्त षष्ठी सोमवार  
 9 अगस्त सप्तमी बुधवार  
 आश्विन शुक्ल पक्ष  
 1 अक्टूबर दिवतीया रविवार  
 2 अक्टूबर तृतीया सोमवार  
 4 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार  
 9-54 दिन से  
 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार  
 9-31 दिन तक  
 9 अक्टूबर नवमी सोमवार  
 12 वजे दिन से  
 11 अक्टूबर एकादशी बुधवार  
 12 अक्टूबर द्वादशी गुरुवार  
 कार्तिक कृष्ण पक्ष  
 19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार  
 2-22 दिन तक



**कार्तिक शुक्ल पक्ष**

- 1 नवंबर तृतीया बुधवार  
 3 नवंबर सप्तमी रविवार  
 8 नवंबर दशमी बुधवार  
 10 नवंबर द्वादशी शुक्रवार

**मार्ग कृष्ण पक्ष**

- 15 नवंबर तृतीया बुधवार  
 17 नवंबर पंचमी शुक्रवार

**आर्द्र शुक्ल पक्ष**

- 3 दिसंबर पंचमी रविवार  
 4 दिसंबर षष्ठी सोमवार  
 7 दिसंबर नवमी गुरुवार  
 10-26 दिन से

- 8 दिसंबर दशमी शुक्रवार

**आश्विन शुक्ल पक्ष**

- 23 जनवरी द्वितीया रविवार  
 24 जनवरी तृतीया सोमवार  
 31 जनवरी पंचमी बुधवार

- 1 फरवरी षष्ठी गुरुवार  
 1 फरवरी सप्तमी शुक्रवार

22-39 दिन तक

**4 फरवरी नवमी रविवार**

1-49 दिन से

- 5 फरवरी एकादशी सोमवार  
 7 फरवरी त्रयोदशी बुधवार

**फाल्गुन कृष्ण पक्ष**

- 14 फरवरी पंचमी बुधवार  
 15 फरवरी षष्ठी गुरुवार

- 23 फरवरी त्रयोदशी शुक्रवार

**फाल्गुन शुक्ल पक्ष**

- 28 फरवरी तृतीया बुधवार  
 8-3 दिन तक

- 1 मार्च पंचमी गुरुवार  
 7 मार्च एकादशी बुधवार  
 8 मार्च द्वादशी गुरुवार

1-15 दिन तक

**चैत्र शुक्ल पक्ष**

1-15 दिन तक

- 21 अगस्त पंचमी सोमवार  
 21 अगस्त पंचमी सोमवार

- 3 सितंबर तृतीया रविवार

**4 सितंबर चतुर्थी सोमवार**

6 सितंबर षष्ठी बुधवार

7 सितंबर सप्तमी गुरुवार

13 सितंबर त्रयोदशी बुधवार

**शिशिर शुक्ल पक्ष**

मार्ग कृष्ण पक्ष

- 23 नवंबर एकादशी गुरुवार  
 24 नवंबर द्वादशी शुक्रवार

- 26 नवंबर त्रयोदशी रविवार

**आर्द्र शुक्ल पक्ष**

- 8 दिसंबर दशमी शुक्रवार

**आश्विन कृष्ण पक्ष**

- 20 दिसंबर अष्टमी बुधवार  
 7-31 शां से

- 21 दिसंबर नवमी गुरुवार  
 22 दिसंबर दशमी शुक्रवार

- 24 दिसंबर द्वादशी रविवार

12-5 दिन से

**5 जनवरी नवमी शुक्रवार**

माघ कृष्ण पक्ष  
 14 जनवरी तृतीया रविवार

**यज्ञोपवीत मुहूर्त****राशि अनुसार**

- मेघ (सिंह) धनु  
 वैशाख शुक्ल पक्ष

- 8 मई तृतीया सोमवार  
 10 मई पंचमी बुधवार

- 11 मई षष्ठी गुरुवार  
 17 मई द्वादशी बुधवार

- 18 मई त्रयोदशी गुरुवार

**ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष**

- 22 मई द्वितीया सोमवार  
 25 मई पंचमी गुरुवार

**आषाढ शुक्ल पक्ष**

- 9 जुलाई षष्ठी रविवार  
 10 जुलाई सप्तमी सोमवार

**आश्विन शुक्ल पक्ष**

- 1 अक्तूबर द्वितीया रविवार

# यज्ञोपवीत मुहूर्त राशि अनुसार

6 अक्तूबर षष्ठी शुक्रवार

11 अक्तूबर एकादशी बुधवार

12 अक्तूबर द्वादशी गुरुवार

कातिक कृष्ण पक्ष

19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

कातिक शुक्ल पक्ष

5 नवंबर सप्तमी रविवार

8 नवंबर दशमी बुधवार

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवंबर तृतीया बुधवार

17 नवंबर पंचमी शुक्रवार

मार्ग शुक्ल पक्ष

3 दिसंबर पंचमी रविवार

4 दिसंबर षष्ठी सोमवार

आषा शुक्ल पक्ष

28 जनवरी द्वितीया रविवार

1 फरवरी षष्ठी गुरुवार

2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार

5 फरवरी एकादशी सोमवार

7 फरवरी त्रयोदशी बुधवार

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुधवार

फाल्गुण शुक्ल पक्ष

1 मार्च पंचमी गुरुवार

बुध

कन्या

अकर

वैशाख शुक्ल पक्ष

8 मई तृतीया सोमवार

10 मई पंचमी बुधवार

11 मई षष्ठी गुरुवार

15 मई दशमी सोमवार

18 मई त्रयोदशी गुरुवार

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

22 मई द्वितीया सोमवार

25 मई पंचमी गुरुवार

आषाढ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुधवार

9 जुलाई षष्ठी रविवार

10 जुलाई सप्तमी सोमवार

14 जुलाई एकादशी शुक्रवार

आश्विन शुक्ल पक्ष

1 अक्तूबर द्वितीया रविवार

4 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार

5 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

6 अक्तूबर षष्ठी शुक्रवार

12 अक्तूबर द्वादशी गुरु

कातिक कृष्ण पक्ष

19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

कातिक शुक्ल पक्ष

1 नवंबर तृतीया बुध

5 नवंबर सप्तमी रवि

8 नवंबर दशमी बुधवार

10 नवंबर द्वादशी शुक्र

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवंबर तृतीया बुध

17 नवंबर पंचमी शुक्र

मार्ग शुक्ल पक्ष

3 दिसंबर नवमी गुरु

4 दिसंबर षष्ठी सोम

7 दिसंबर नवमी गुरु

8 दिसंबर दशमी शुक्र

माघ शुक्ल पक्ष

28 जनवरी द्वितीया रवि

31 जनवरी पंचमी बुध

1 फरवरी षष्ठी गुरु

5 फरवरी एकादशी सोमवार

7 फरवरी त्रयोदशी बुधवार

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुधवार

फाल्गुण शुक्ल पक्ष

28 फरवरी तृतीया बुधवार

7 मार्च एकादशी बुधवार

मिथुन

तुला

कुम्भ

वैशाख शुक्ल पक्ष

8 मई तृतीया सोमवार

11 मई षष्ठी गुरुवार

15 मई दशमी सोमवार

17 मई द्वादशी बुधवार

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

22 मई द्वितीया सोमवार

आषाढ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुधवार

14 जुलाई एकादशी शुक्रवार

आश्विन शुक्ल पक्ष



- 1 अक्टूबर द्वितीया रविवार
- 4 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार
- 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार
- 6 अक्टूबर षष्ठी शुक्रवार
- 11 अक्टूबर एकादशी बुधवार
- कार्तिक कृष्ण पक्ष
- 19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार
- कार्तिक शुक्ल पक्ष
- 1 नवंबर तृतीया बुधवार
- नवंबर दशमी बुधवार
- 10 नवंबर द्वादशी शुक्रवार
- मार्ग कृष्ण पक्ष
- 15 नवंबर तृतीया बुधवार
- मार्ग शुक्ल पक्ष
- 3 दिसंबर पंचमी रविवार
- 4 दिसंबर षष्ठी सोमवार
- 7 दिसंबर नवमी गुरुवार
- 8 दिसंबर दशमी शुक्रवार
- माघ शुक्ल पक्ष
- 28 जनवरी द्वितीया रविवार
- 31 जनवरी पंचमी बुधवार

- 1 फरवरी षष्ठी गुरुवार
- 2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार
- 5 फरवरी एकादशी सोमवार
- 7 फरवरी त्रयोदशी बुधवार
- फाल्गुण कृष्ण पक्ष
- 14 फरवरी पंचमी बुधवार
- फाल्गुण शुक्ल पक्ष
- 28 फरवरी तृतीया बुधवार
- 1 मार्च पंचमी गुरुवार
- 7 मार्च एकादशी बुधवार
- कक (वशिष्ठ) (मंग)
- वशाख शुक्ल पक्ष
- 8 मई तृतीया सोमवार
- 10 मई पंचमी बुधवार
- 15 मई दशमी सोमवार
- 17 मई द्वादशी बुधवार
- 18 मई त्रयोदशी गुरुवार
- ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष
- 22 मई द्वितीया सोमवार
- 25 मई पंचमी गुरुवार
- 25 मई पंचमी गुरुवार

- आषाढ़ शुक्ल पक्ष
- 5 जुलाई द्वितीया बुधवार
- 9 जुलाई षष्ठी रविवार
- 10 जुलाई सप्तमी सोमवार
- 14 जुलाई एकादशी शुक्रवार
- आश्विन शुक्ल पक्ष
- 4 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार
- 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार
- 6 अक्टूबर षष्ठी शुक्रवार
- 11 अक्टूबर एकादशी बुधवार
- 12 अक्टूबर द्वादशी गुरुवार
- कार्तिक कृष्ण पक्ष
- 19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार
- कार्तिक शुक्ल पक्ष
- 1 नवंबर तृतीया बुधवार
- 5 नवंबर सप्तमी रविवार
- 10 नवंबर द्वादशी शुक्रवार
- मार्ग कृष्ण पक्ष
- 15 नवंबर तृतीया बुधवार
- 17 नवंबर पंचमी शुक्रवार
- मार्ग शुक्ल पक्ष
- 3 दिसंबर पंचमी रविवार
- 7 दिसंबर नवमी शुक्रवार
- 8 दिसंबर दशमी शुक्रवार
- माघ शुक्ल पक्ष
- 31 जनवरी पंचमी बुधवार
- 1 फरवरी षष्ठी गुरुवार
- 2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार
- 5 फरवरी एकादशी सोमवार
- 7 फरवरी त्रयोदशी बुधवार
- फाल्गुण कृष्ण पक्ष
- 14 फरवरी पंचमी बुधवार
- फाल्गुण शुक्ल पक्ष
- 28 फरवरी तृतीया बुधवार
- 1 मार्च पंचमी गुरुवार
- 7 मार्च एकादशी बुधवार

राशि के अनुसार  
विवाह मुहूर्त  
2046 विक्रमी

शेष

सिंह

धनु

बु  
सि  
अनुसार  
कि  
राशि  
मह  
विवाह

वैशाख शुक्ल पक्ष  
6 मई प्रतिपद शनिवार  
7 मई द्वितीया रविवार  
8 मई तृतीया सोमवार  
सप्तमी शुक्र 12 मई  
13 मई अष्टमी शनिवार  
15 मई दशमी सोमवार  
17 मई द्वादशी बुधवार  
18 मई त्रयोदशी गुरु  
19 मई चतुर्दशी शुक्रवार  
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
24 मई चतुर्दशी बुधवार  
25 मई पंचमी गुरुवार  
26 मई षष्ठी शुक्रवार  
27 मई सप्तमी शनिवार  
भाषाढ़ कृष्ण पक्ष  
28 जून दशमी बुधवार  
30 जून द्वादशी शुक्रवार  
त्रयोदशी 1 जुलाई  
2 जुलाई चतुर्थी रविवार  
भाषाढ़ शुक्ल पक्ष

6 जुलाई तृतीया गुरुवार  
7 जुलाई चतुर्थी शुक्रवार  
8 जुलाई पंचमी शनिवार  
9 जुलाई षष्ठी रविवार  
10 जुलाई सप्तमी सोमवार  
12 जुलाई नवमी बुधवार  
आश्विन शुक्ल पक्ष  
1 अक्तूबर द्वितीया रविवार  
2 अक्तूबर तृतीया सोमवार  
6 अक्तूबर षष्ठी शुक्रवार  
7 अक्तूबर सप्तमी शनिवार  
8 अक्तूबर अष्टमी रविवार  
9 अक्तूबर नवमी सोमवार  
कार्तिक कृष्ण पक्ष  
15 अक्तूबर प्रतिपद रविवार  
18 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार  
19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार  
23 अक्तूबर नवमी सोमवार  
25 अक्तूबर एकादशी बुधवार  
26 अक्तूबर द्वादशी गुरुवार  
27 अक्तूबर त्रयोदशी शुक्रवार

कार्तिक शुक्ल पक्ष  
3 नवम्बर पंचमी शुक्रवार  
4 नवम्बर षष्ठी शनिवार  
5 नवम्बर सप्तमी रविवार  
6 नवम्बर अष्टमी सोमवार  
11 नवम्बर त्रयोदशी शनिवार  
वृश्चिक लग्न के जित्ता  
12 नवम्बर चतुर्दशी रविवार  
मार्ग कृष्ण पक्ष  
15 नवम्बर तृतीया बुधवार  
20 नवम्बर अष्टमी सोमवार  
22 नवम्बर दशमी बुधवार  
23 नवम्बर एकादशी गुरुवार  
25 नवम्बर द्वादशी शनिवार  
26 नवम्बर त्रयोदशी रविवार  
मार्ग शुक्ल पक्ष  
30 नवम्बर द्वितीया गुरुवार  
2 दिसम्बर चतुर्थी शनिवार  
3 दिसम्बर पंचमी रविवार  
4 दिसम्बर षष्ठी सोमवार  
8 दिसम्बर दशमी शुक्रवार

रात्रि का सिंह लग्न  
1 दिसम्बर द्वादशी रविवार  
11 दिसम्बर चतुर्दशी सोमवार  
शेष कृष्ण पक्ष  
13 दिसम्बर प्रतिपद बुधवार  
पौष शुक्ल पक्ष  
27 जनवरी प्रतिपद शनिवार  
28 जनवरी द्वितीया रविवार  
1 फरवरी षष्ठी गुरुवार  
तेवल रात्रि के लग्न  
2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार  
5 फरवरी एकादशी सोमवार  
फाल्गुण कृष्ण पक्ष  
10 फरवरी प्रतिपद शनिवार  
14 फरवरी पंचमी बुधवार  
15 फरवरी षष्ठ गुरुवार  
फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
1 मार्च पंचमी गुरुवार  
3 मार्च सप्तमी शनिवार  
9 मार्च त्रयोदशी शुक्रवार  
नोट—उपरि लिखित



शेष, सिंह धनु मुहूर्तों में  
20 नवम्बर से 11 दिसम्बर  
तक सूर्य का दोप होने से  
सूर्य पूजन करवायें ।

**बुध** **कन्या** **मकर**  
वशाख शुक्ल पक्ष

6 मई प्रतिपद शनिवार  
7 मई द्वितीया रविवार  
8 मई तृतीया होमवार  
15 मई दशम सोमवार  
17 मई द्वादशी बुधवार  
18 मई त्रयोदशी गुरुवार  
19 मई चतुर्दशी शुक्रवार

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
21 मई प्रतिपद रविवार

24 मई चतुर्थी बुध  
25 मई पंचमी गुरु  
26 मई षष्ठी शुक्र  
27 मई सप्तमी शनि

आषाढ कृष्ण पक्ष

25 जून सप्तमी रवि

26 जून अष्टमी सोम  
30 जून द्वादशी शुक्र  
1 जुलाई त्रयोदशी शनि  
2 जुलाई चतुर्दशी रवि  
आषाढ शुक्ल पक्ष  
9 जुलाई षष्ठी रवि  
10 जुलाई सप्तमी सोम  
12 जुलाई नवमी बुध  
श्रावण कृष्ण पक्ष

19 जुलाई प्रतिपद बुध  
20 जुलाई द्वितीया गुरु  
23 जुलाई पंचमी रवि  
24 जुलाई षष्ठी सोम  
28 जुला. एकादशी शुक्र  
29 जुला. द्वादशी शनि  
श्रावण शुक्ल पक्ष

5 अगस्त चतुर्थी शनि  
6 अगस्त पंचमी रवि  
7 अगस्त षष्ठी सोम  
9 अगस्त सप्तमी बुध  
10 अगस्त अष्टमी गुरु

11 अगस्त नवमी शुक्र  
आश्विन शुक्ल पक्ष  
1 अक्तूबर द्वितीया रवि  
2 अक्तूबर तृतीया सोम  
4 अक्तूबर चतुर्थी बुध  
5 अक्तूबर पंचमी गुरु  
8 अक्तूबर अष्टमी रवि  
9 अक्तूबर नवमी सोम  
13 अक्तूबर चतुर्दशी शुक्र  
14 अक्तूबर पूर्णिमा शनि  
कार्तिक कृष्ण पक्ष  
18 अक्तूबर चतुर्थी बुध  
19 अक्तूबर पंचमी गुरु  
26 अक्तूबर द्वादशी गुरु  
27 अक्तूबर त्रयोदशी शुक्र  
कार्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवंबर तृतीया बुध  
5 नवंबर सप्तमी रवि  
6 नवंबर अष्टमी सोम  
9 नवंबर एकादशी गुरु  
10 नवंबर द्वादशी शुक्र

11 नवंबर त्रयोदशी शनि  
मार्ग कृष्ण पक्ष  
15 नवंबर तृतीया बुध  
22 नवंबर दशमी बुध  
राशि के लग्न

23 नवंबर एकादशी गुरु  
25 नवंबर द्वादशी शनि  
26 नवंबर त्रयोदशी रवि  
मार्ग शुक्ल पक्ष

2 दिसंबर चतुर्थी शनि  
3 दिसंबर पंचमी रवि  
4 दिसंबर षष्ठी सोम  
6 दिसंबर अष्टमी बुध  
7 दिसंबर नवमी गुरु  
8 दिसंबर दशमी शुक्र  
11 दिसंबर चतुर्दशी सोम  
पौष कृष्ण पक्ष  
13 दिसंबर प्रतिपद बुध  
माघ शुक्ल पक्ष  
27 जनवरी प्रतिपद शनि  
28 जनवरी द्वितीया रवि

31 जनवरी पंचमी बु

1 फरवरी षष्ठी गुरु  
दिन के लगन

5 फरवरी एकादशी सोम  
फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुध

15 फरवरी षष्ठी गुरु

16 फरवरी षष्ठी शूक्र

17 फरवरी सप्तमी शनि

18 फरवरी अष्टमी रवि  
फाल्गुण शूकल पक्ष

26 फरवरी प्रतिपद् सोम

28 फरवरी तृतीया वृष  
दिन के लगन

वृष कन्या मकर राशि

मूहूर्तों में 6 मई से 13 मई  
के मूहूर्तों तक सूर्य की पूजा  
करवायें ।

मिथुन तुला कुम्भ

वैशाख कृष्ण पक्ष

3 मई त्रयोदशी वृष

राशि क अनसार विवाह म 21

वैशाख शूकल पक्ष

8 मई तृतीया सोम

12 मई सप्तमी शूक्र

13 मई अष्टमी शनि

15 मई दशमी सोम

दिन के लगन

18 मई त्रयोदशी गुरु

19 मई चतुर्दशी शूक्र

ज्येष्ठ कृष्णपक्ष

मई प्रतिपद् रविवार

24 मई चतुर्थी बुधवार

मकर मीन लगन

मई 27 सप्तमी शनिवार

आषाढ कृष्णपक्ष

25 जून सप्तमी रविवार

26 जून अष्टमी सोमवार

28 जून दशमी बुधवार

2 जुलाई चतुर्दशी रविवार

आषाढ शूकल पक्ष

6 जुलाई तृतीया गुरुवार

7 जुलाई चतुर्थी शूक्रवार

8 जुलाई पंचमी शनिवार

12 जुलाई नवमी बुधवार

श्रावण कृष्ण पक्ष

23 जुलाई पंचमी रविवार

24 जुलाई षष्ठी सोमवार

29 जुलाई द्वादशी शनिवार

तुला, कुम्भ लगन

श्रावण शूकल पक्ष

6 अगस्त चतुर्थी शनिवार

कन्या लगन

7 अगस्त षष्ठी सोमवार

रात के लगन

9 अगस्त सप्तमी बुधवार

10 अगस्त अष्टमी गुरुवार

11 अगस्त नवमी शूक्रवार

13 अगस्त एकादशी रविवार

14 अगस्त द्वादशी सोमवार

आश्विन शूकल पक्ष

1 अक्तूबर द्वितीय रविवार

2 अक्तूबर तृतीया सोमवार

4 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार

5 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

तुला लगन

6 अक्तूबर षष्ठी शूक्रवार

7 अक्तूबर सप्तमी शनिवार

13 अक्तूबर चतुर्दशी शूक्र

14 अक्तूबर पूर्णिमा शनिवार

कार्तिक कृष्ण पक्ष

15 अक्तूबर प्रतिपद् रविवार

19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

वृश्चिक लगन के बिना

23 अक्तूबर नवमी सोमवार

25 अक्तूबर एकादशी बुधवार

कार्तिक शूकलपक्ष

1 नवम्बर तृतीया बुधवार

3 नवम्बर पंचमी शूक्रवार

4 नवंबर षष्ठी शनिवार

9 नवम्बर एकादशी गुरुवार

10 नवंबर द्वादशी शूक्रवार

11 नवंबर त्रयोदशी शनिवार

12 नवम्बर चतुर्दशी रवि

मार्ग कृष्ण पक्ष

20 नवम्बर अष्टमी सोमवार  
 22 नवम्बर दशमी बुधवार  
 केवल दिन के लग्न  
 26 नवंबर त्रयोदशी रविवार  
 मार्ग शुक्ल पक्ष  
 4 दिसंबर षष्ठी सोमवार  
 रात के लग्न  
 6 दिसम्बर अष्टमी बुधवार  
 7 दिसंबर नवमी गुरुवार  
 8 दिसंबर दशमी शुक्रवार  
 9 दिसंबर द्वादशी शनिवार  
 पौष कृष्ण पक्ष  
 13 दिसंबर प्रतिपद् बुधवार  
 माघ शुक्ल पक्ष  
 28 जनवरी द्वितीया रविवार  
 31 जनवरी पंचमी बुधवार  
 1 फरवरी षष्ठी गुरुवार  
 2 फरवरी सप्तमी शुक्रवार  
 5 फरवरी एकादशी सोमवार  
 फाल्गुन कृष्ण पक्ष  
 10 फरवरी प्रतिपद् शनिवार

14 फरवरी पंचमी बुधवार  
 15 फरवरी षष्ठी गुरुवार  
 16 फरवरी षष्ठी शुक्रवार  
 17 फरवरी सप्तमी शनिवार  
 18 फरवरी अष्टमी सोमवार  
 फाल्गुन शुक्ल पक्ष  
 26 फरवरी प्रतिपद् सोमवार  
 28 फरवरी तृतीया बुधवार  
 1 मार्च पंचमी गुरुवार  
 9 मार्च त्रयोदशी शुक्रवार  
 :—उपरिलिखित मिथुन  
 तुला, कुम्भ राशिवालों  
 को जिन मुहूर्तों में पूजा  
 करवानी है, वे मुहूर्त हैं  
 3 मई से एक जुलाई  
 तक गुरु पूजा, और 15  
 मई से 27 मई तक सूर्य  
 पूजा भी करवानी  
 चाहिए—1 अक्तूबर  
 से 15 अक्तूबर तक,  
 तथा 27 जनवरी से 10

फरवरी तक सूर्य पूजा  
 करवायें।  
 कर्क वृश्चिक मीन  
 वैशाख कृष्ण पक्ष  
 3 मई त्रयोदशी बुधवार  
 वैशाख शुक्ल पक्ष  
 6 मई प्रतिपद् शनिवार  
 7 मई द्वितीया रविवार  
 12 मई सप्तमी शुक्रवार  
 13 मई अष्टमी शनिवार  
 15 मई दशमी सोमवार  
 17 मई द्वादशी बुधवार  
 ज्येष्ठ कृष्णपक्ष  
 21 मई प्रतिपद् रविवार  
 24 मई चतुर्थी बुधवार  
 25 मई पंचमी गुरुवार  
 26 मई षष्ठी शुक्रवार  
 आषाढ़ कृष्णपक्ष  
 25 जून सप्तमी रविवार  
 26 जून अष्टमी सोमवार  
 28 जून दशमी बुधवार

30 जून द्वादशी शुक्रवार  
 1 जुलाई त्रयोदशी शनिवार  
 आषाढ़ शुक्ल पक्ष  
 6 जुलाई तृतीया गुरुवार  
 7 जुलाई चतुर्थी शुक्रवार  
 8 जुलाई पंचमी शनि  
 9 जुलाई षष्ठी रविवार  
 10 जुला सप्तमी सोमवार  
 आषाढ़ कृष्ण पक्ष  
 19 जुलाई प्रतिपद् बुधवार  
 20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
 दिन के लग्न  
 23 जुलाई पंचमी रविवार  
 24 जुलाई षष्ठी सोमवार  
 28 जुलाई एकादशी शुक्रवार  
 29 जुलाई द्वादशी शनिवार  
 कन्या लग्न  
 श्रवण शुक्लपक्ष  
 5 अगस्त चतुर्थी शनिवार  
 6 अगस्त पंचमी रविवार  
 7 अगस्त षष्ठी सोमवार



तुला वृश्चिक, मीन लग्न  
 10 अगस्त अष्टमी गुरुवा  
 11 अगस्त नवमी शुक्रवार  
 13 अगस्त एकादशी रवि  
 14 अगस्त द्वादशी सोमवा  
 आश्विन शुक्ल पक्ष  
 1 अक्टूबर द्वितीया रविवा  
 तुला, वृश्चिक लग्न  
 4 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार  
 5 अक्टूबर पंचमी गुरुवार  
 6 अक्टूबर षष्ठी शुक्रवार  
 8 अक्टूबर अष्टमी रवि  
 9 अक्टूबर नवमी सोम  
 13 अक्टूबर चतुर्दशी शुक्र  
 14 अक्टूबर पूर्णिमा शनि  
 कार्तिक कृष्ण पक्ष  
 15 अक्टूबर प्रतिपद् रवि  
 18 अक्टूबर चतुर्थी बुध  
 19 अक्टूबर पंचमी गुरु  
 दिन का वृश्चिक लग्न  
 23 अक्टूबर नवमी सोम

25 अक्टूबर एकादशी बुध  
 26 अक्टूबर द्वादशी गुरुवार  
 27 अक्टूबर त्रयोदशी शुक्र  
 कार्तिक शुक्ल पक्ष  
 1 नवंबर तृतीया बुधवार  
 3 नवंबर पंचमी शुक्रवार  
 4 नवंबर षष्ठी शनिवार  
 5 नवंबर सप्तमी रविवार  
 6 नवम्बर अष्टमी सोम  
 9 नवम्बर एकादशी गुरुवा  
 10 नवम्बर द्वादशी शुक्र  
 11 नवंबर त्रयोदशी शनि  
 12 नवंबर चतुर्दशी रवि  
 मार्ग कृष्ण पक्ष  
 15 नवंबर तृतीया बुध  
 20 नवंबर अष्टमी सोम  
 22 नवंबर दशमी बुध  
 23 नवंबर एकादशी गुरु  
 25 नवंबर द्वादशी शनिवा  
 मार्ग शुक्ल पक्ष  
 30 नवंबर द्वितीया गुरु

2 दिसंबर चतुर्थी शनि  
 3 दिसंबर पंचमी रवि  
 4 दिसंबर षष्ठी सोम  
 दिन के लग्न  
 6 दिसंबर अष्टमी बुध  
 7 दिसम्बर नवमी गुरु  
 8 दिसंबर दशमी शुक्र  
 9 दिसंबर द्वादशी शनि  
 11 दिसंबर चतुर्थी सोम  
 पौष कृष्ण पक्ष  
 13 दिसंबर प्रतिपद् बुध  
 माघ शुक्ल पक्ष  
 27 जनवरी प्रतिपद् शनि  
 31 जनवरी पंचमी बुध  
 1 फरवरी षष्ठी गुरु  
 2 फरवरी सप्तमी शुक्र  
 5 फरवरी एकादशी सोम  
 फाल्गुण कृष्ण पक्ष  
 10 फरवरी प्रतिपद् शनि  
 14 फरवरी पंचमी बुध  
 17 फरवरी सप्तमी शनि

8 फरवरी अष्टमी रवि  
 फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
 26 फरवरी प्रतिपद् सोम  
 28 फरवरी तृतीया बुध  
 1 मार्च पंचमी गुरु  
 3 मार्च सप्तमी शनि  
 9 मार्च त्रयोदशी शुक्र  
 नोट—कर्क, वृश्चिक, मीन  
 राशि के लिये जिन मुहूर्तों  
 में पूजा करवानी है  
 उनकी सूची है :—15 जून  
 से 10 जलाई तक 18 अक्तू  
 से 20 नवम्बर तक 14  
 फरवरी से 26 फरवरी तक  
 सूर्य पूजा ।

विवाह मुहूर्त

# बुनियाद मकान मुहूर्त राशि के अनुसार

मेघ सिंह धनु

वैशाख शुक्ल पक्ष  
8 मई तृतीया सोमवार  
11 मई पष्ठी गुरुवार  
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
25 मई पंचमी गुरुवार  
श्रावण कृष्ण पक्ष  
20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
21 जुलाई तृतीया शुक्रवार  
7 अगस्त पष्ठी सोमवार  
9 अगस्त सप्तमी बुधवार  
भाद्र कृष्ण पक्ष  
18 अगस्त द्वितीया शुक्रवार  
21 अगस्त पंचमी सोमवार  
भाद्र शुक्ल पक्ष  
13 सितम्बर त्रयोदशी बुधवार

कार्तिक कृष्ण पक्ष  
18 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार  
19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार  
मार्ग कृष्ण पक्ष  
15 नवम्बर तृतीया बुधवार  
18 नवम्बर पष्ठी शनिवार  
माघ शुक्ल पक्ष  
29 जनवरी तृतीया सोमवार  
1 फरवरी पष्ठी गुरुवार  
फाल्गुण कृष्ण पक्ष  
14 फरवरी पंचमी बुधवार  
16 फरवरी पष्ठी शुक्रवार  
फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
28 फरवरी तृतीया बुधवार  
वृष कन्या मकर  
वैशाख शुक्ल पक्ष  
8 मई तृतीया सोमवार  
11 मई पष्ठी गुरुवार  
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
25 मई पंचमी गुरुवार  
श्रावण कृष्ण पक्ष

20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
21 जुलाई तृतीया शुक्रवार  
24 जुलाई पष्ठी सोमवार  
श्रावण शुक्ल पक्ष  
7 अगस्त पष्ठी सोमवार  
9 अगस्त सप्तमी बुधवार  
भाद्र कृष्ण पक्ष  
18 अगस्त द्वितीया शुक्रवार  
21 अगस्त पंचमी सोमवार  
भाद्र शुक्ल पक्ष  
13 सितम्बर त्रयोदशी बुधवार  
कार्तिक कृष्ण पक्ष  
18 अक्टूबर चतुर्थी बुधवार  
19 अक्टूबर पंचमी गुरुवार  
कार्तिक शुक्ल पक्ष  
1 नवम्बर तृतीया बुधवार  
मार्ग कृष्ण पक्ष  
15 नवम्बर तृतीया बुधवार  
18 नवम्बर पष्ठी शनिवार  
माघ शुक्ल पक्ष  
29 जनवरी तृतीया सोमवार

31 जनवरी पंचमी बुधवार  
1 फरवरी पष्ठी गुरुवार  
फाल्गुण कृष्ण पक्ष  
14 फरवरी पंचमी बुधवार  
16 फरवरी पष्ठी शुक्रवार  
फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
28 फरवरी तृतीया बुधवार  
वैशाख शुक्ल पक्ष  
मिथुन तुला कुम्भ  
8 मई तृतीया सोमवार  
सिंह लग्न  
11 मई पष्ठी गुरुवार  
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष  
25 मई पंचमी गुरुवार  
श्रावण कृष्ण पक्ष  
20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
21 जुलाई तृतीया शुक्रवार  
24 जुलाई पष्ठी सोमवार  
श्रावण शुक्ल पक्ष  
7 अगस्त पष्ठी सोमवार  
9 अगस्त सप्तमी बुधवार

भाद्र कृष्ण पक्ष

18 अगस्त द्वितीया शुक्रवा  
21 अगस्त पंचमी सोमवार

भाद्र शुक्ल पक्ष

13 सितम्बर त्रयोदशी बुध  
कार्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवम्बर तृतीया बुधवार  
मार्ग कृष्ण पक्ष

18 नवम्बर षष्ठी शनिवार  
माघ शुक्ल पक्ष

29 जनवरी तृतीया सोम  
31 जनवरी पंचमी बुधवार

1 फरवरी षष्ठी गुरुवार  
फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुधवार  
16 फरवरी षष्ठी शुक्रवार

फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
28 फरवरी तृतीया बुधवार

ककं जषिषक मीन  
वैशाख शुक्ल पक्ष

8 मई तृतीया सोमवार

प्रातः वृष लग्न

11 मई षष्ठी गुरुवार  
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरुवार  
श्रावण कृष्ण पक्ष

20 जुलाई द्वितीया गुरुवार  
24 जुलाई षष्ठी सोमवार

श्रावण शुक्ल पक्ष  
7 अगस्त षष्ठी सोमवार

9 अगस्त सप्तमी बुधवार  
भाद्र शुक्ल पक्ष

13 सितम्बर त्रयोदशी बुध  
कार्तिक कृष्ण पक्ष

18 अक्तूबर चतुर्थी बुधवार  
19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

कार्तिक शुक्ल पक्ष  
1 नवम्बर तृतीया बुधवार

मार्ग कृष्ण पक्ष  
15 नवम्बर तृतीया बुधवार

18 नवम्बर षष्ठी शनिवार  
माघ शुक्ल पक्ष

31 जनवरी पंचमी बुधवार

1 फरवरी षष्ठी गुरुवार  
फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुधवार  
16 फरवरी षष्ठी शुक्रवार

फाल्गुण शुक्ल पक्ष  
28 फरवरी तृतीया बुधवार

प्रवेश नये मकान

में दाखिल होने के

मुहूर्त राशि अनुसार

मेख सिंह धनु

वैशाख शुक्ल पक्ष  
8 मई तृतीया सोमवार

10 मई पंचमी बुधवार  
11 मई षष्ठी गुरुवार

15 मई दशमी सोमवार  
17 मई द्वादशी बुधवार

18 मई त्रयोदशी गुरुवार  
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरुवार

आषाढ शुक्ल पक्ष  
10 जुलाई सप्तमी सोम

14 जुलाई एकादशी शुक्र  
आश्विन शुक्ल पक्ष

11 अक्तूबर एकादशी बुध  
12 अक्तूबर द्वादशी गुरु

कार्तिक कृष्ण पक्ष  
19 अक्तूबर पंचमी गुरुवार

कार्तिक शुक्ल पक्ष  
1 नवम्बर तृतीया बुधवार

8 नवम्बर दशमी बुधवार  
मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवम्बर तृतीया बुध  
मार्ग शुक्ल पक्ष

4 दिसम्बर षष्ठी सोमवार  
माघ शुक्ल पक्ष

5 फरवरी एकादशी सोम  
फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुधवार



वध

कन्या

मकर

वैशाख शुक्ल पक्ष

8 मई तृतीया सोमवार

10 मई पंचमी बुधवार

11 मई षष्ठी गुरुवार

15 मई दशमी सोमवार

17 मई द्वादशी बुधवार

18 मई त्रयोदशी गुरुवार

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरुवार

आषाढ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुध

10 जुलाई सप्तमी सोम

14 जुलाई एकादशी शुक्र

15 जुलाई द्वादशी शनि

आश्विन शुक्ल पक्ष

4 अक्टूबर चतुर्थी बुध

11 अक्टूबर एकादशी बुध

12 अक्टूबर द्वादशी गुरु

कार्तिक कृष्ण पक्ष

19 अक्टूबर पंचमी गुरु

कार्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवंबर तृतीया बुध

8 नवंबर दशमी बुध

10 नवंबर द्वादशी शुक्र

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवंबर तृतीया बुध

मार्ग शुक्ल पक्ष

4 दिसंबर षष्ठी सोम

7 दिसंबर नवमी गुरु

8 दिसंबर दशमी शुक्रवार

माघ शुक्ल पक्ष

31 जनवरी पंचमी बुध

5 फरवरी एकादशी सोम

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुध

फाल्गुण शुक्ल पक्ष

7 मार्च एकादशी बुधवार

वैशाख शुक्ल पक्ष

10 मई पंचमी बुध

11 मई षष्ठी गुरु

15 मई दशमी सोम

17 मई द्वादशी बुध

आषाढ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुध

14 जुलाई एकादशी शुक्र

15 जुलाई द्वादशी शनि

आश्विन शुक्ल पक्ष

4 अक्टूबर चतुर्थी बुध

5 अक्टूबर पंचमी गुरु

11 अक्टूबर एकादशी बुध

12 अक्टूबर द्वादशी गुरु

कार्तिक कृष्ण पक्ष

19 अक्टूबर पंचमी गुरु

कार्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवंबर तृतीया बुध

8 नवंबर दशमी बुध

10 नवंबर द्वादशी शुक्र

मार्ग शुक्ल पक्ष

7 दिसंबर नवमी गुरु

माघ शुक्ल पक्ष

31 जनवरी पंचमी बुध

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुध

फाल्गुण शुक्ल पक्ष

7 मार्च एकादशी बुध

फरवरी वृश्चिक

वैशाख शुक्ल पक्ष

8 मई तृतीया सोम

वृष लग्न

10 मई पंचमी बुध

11 मई षष्ठी गुरु

15 मई दशमी सोम

17 मई द्वादशी बुध

18 मई त्रयोदशी गुरु

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

25 मई पंचमी गुरु

आषाढ शुक्ल पक्ष

5 जुलाई द्वितीया बुध

10 जुलाई सप्तमी सोम

14 जुलाई एकादशी शुक्र

15 जुलाई द्वादशी शनि

मीन

आश्विन शुक्ल पक्ष

4 अक्टूबर चतुर्थी बुध

5 अक्टूबर पंचमी गुरु

कात्तिक शुक्ल पक्ष

1 नवंबर तृतीया बुध

10 नवंबर द्वादशी शुक्र

मार्ग कृष्ण पक्ष

15 नवंबर तृतीया बुध

मार्ग शुक्ल पक्ष

4 दिसंबर पष्ठी सोम

7 दिसंबर नवमी गुरु

8 दिसंबर दशमी शुक्र

माघ शुक्ल पक्ष

31 जनवरी पंचमी बुध

5 फरवरी एकादशी गुरु

फाल्गुण कृष्ण पक्ष

14 फरवरी पंचमी बुध

फाल्गुण शुक्ल पक्ष

7 मार्च एकादशी बुध

## अष्टमी व्रत

शुक्ल पक्ष

मास तारीख वार

चैत्र 13 अप्रैल गुरु

वैशाख 13 मई शनि

ज्येष्ठ 11 जून रवि

आषाढ 11 जुला भीम

श्रावण 10 अग. गुरु

भाद्र 8 सितं शुक्र

असू 8 अक्टू रवि

कत 6 नवं सोम

मग 6 दिसं

पौष 4 जन गुरु

माघ 3 फरं शनि

फाग 4 मार्च रवि

## पणिमा व्रत

मास तारीख वार

चैत्र 21 अप्रैल शुक्र

ज्येष्ठ 19 जून सोम

आषाढ 18 जुला भीम

श्रावण 17 अग गुरु

भाद्र 15 सितं शुक्र

असू 14 अक्टू शनि

कत 12 नवं सोम

मग 12 दिसं भीम

पौष 11 जन गुरु

माघ 9 फरं शुक्र

फाग 11 मार्च रवि

## अमावसी व्रत

मास तारी. वार

वैशाख 5 मई शुक्र

ज्येष्ठ 3 जून शनि

आषाढ 1 अग भीम

भाद्र 31 अग गुरु

असू 29 सितं शुक्र

कत 29 अक्टू रवि

मग 28 नवं भीम

पौष 28 दिसं गुरु

चैत्र 26 जन शुक्र

फाग 25 फरं रवि

चैत्र 26 मार्च सोम

## संकट चतुर्थी

कृष्ण पक्ष

वैशाख तृती. 24 अप्रैल

ज्येष्ठ चतु 24 मई बुध

आषाढ तृतीय 22 जून गुरु

श्रावण तृती 21 जुलाई शु

भाद्र चतु 20 अगस्त रवि

असू तृतीय 18 सितं सोम

कत तृती 17 अक्टू भीम

मग चतु 16 नवं शुक्र

पौष चतु दिसं शनि

माघ तृती 14 जन रवि

फाग चतु 13 फरं भीम

चैत्र चतु 15 मार्च गुरु

पंचक आरम्भ	पंचक समाप्त	संक्रान्ति	कुमार षष्ठी
<p>29 अप्रै. शनि 11-36 रात</p> <p>27 मई शनि 7-37 प्रातः</p> <p>23 जून शुक्र 3-40 दिन</p> <p>20 जुलाई गुरु 11-46 रात</p> <p>17 अग. गुरु 7-43 प्रातः</p> <p>13 सित. बुध 3-47 दिन</p> <p>10 अक्टू. भीम 11-46 रात</p> <p>7 नवं भीम 7-40 प्रातः</p> <p>4 दिसं सोम 3-38 दिन</p> <p>31 दिसं रवि 11-36 रात</p> <p>28 जन रवि 7-24 प्रातः</p> <p>24 फवं शनि 11-20 दिन</p> <p>23 मार्च शक्र 11-13 रात</p>	<p>4 मई गुरु 6-9 प्रातः</p> <p>31 मई बुध 12-44 दिन</p> <p>27 जून भीम 8-57 रात</p> <p>25 जलाई भीम 5-19 प्रातः</p> <p>21 अगस्त सोम 1-17 दिन</p> <p>17 सितं रवि 9-27 रात</p> <p>15 अक्टू रवि 5-43 प्रातः</p> <p>11 नवं शनि 1-48 दिन</p> <p>8 दिसं शुक्र 9-55 रात</p> <p>5 जन शुक्र 2-13 दिन</p> <p>1 फवं गुरु 6-6 प्रातः</p> <p>28 फवं बुध 10-25 रात</p> <p>28 मार्च बुध 6-34 प्रातः</p>	<p>वैसाख 13 अप्रैल गुरु</p> <p>ज्येष्ठ 14 मई रवि</p> <p>आषाढ़ 15 जून गुरु</p> <p>श्रावण 16 जलाई रवि</p> <p>भाद्र 17 अगस्त गुरु</p> <p>असूज 1/ सितं रवि</p> <p>कतक 17 अक्टू भीम</p> <p>मगर 16 नवं गुरु</p> <p>पौष 16 दिसं शनि</p> <p>माघ 14 जन रवि</p> <p>फाल्गुन 12 फवं सोम</p> <p>चैत्र 14 मार्च बुध</p>	<p>शुक्ल पक्ष</p> <p>चैत्र षष्ठी 11 अप्रैल भीम</p> <p>वैसाख पंच 10 मई बुध</p> <p>ज्येष्ठ षष्ठी 9 जून शुक्र</p> <p>आषाढ़ पंच 8 जलाई शनि</p> <p>श्रावण षष्ठी 7 अगस्त सोम</p> <p>भाद्र षष्ठी 6 सितं बुध</p> <p>असूज पंच 5 अक्टूबर गुरु</p> <p>कतक षष्ठी 4 नवं शनि</p> <p>मग पंच 3 दिसं रवि</p> <p>पौष षष्ठी 2 जन भीम</p> <p>माघ पंच 31 जन बुध</p> <p>फाग षष्ठी 2 मार्च शक्र</p>
		<p><b>पञ्चांग</b></p> <p>हिन्दी तथा उर्दू लिपि में मिल सकते हैं—</p> <p><b>दिल्ली</b></p> <p>(1) देहाती पुस्तक भण्डार चावड़ी बाजार दूरभाष</p> <p>(2) काशीगोरी सम्मिति अमर कालोनी नई देहली-24</p>	



( 156 )

## निषेध समय 2046 में

ग्रायः हर शुभ काम के लिए

30 अप्रैल तक शुक्रास्तका दोष । 29-मई से 23 जून तक बृहस्पति अस्त । 17 अगस्त से 29 सितम्बर तक स्यंघ और पितृपक्ष । 15 दिसम्बर से, 14 जनवरी पौष मास । 15 जनवरी से, 25 जनवरी तक शुक्र अस्त । नोट—स्यंग-बुनियाद मकान तथा पन्नमुहूर्त के लिए निषेध नहीं पौह (पौष मास) शिवाय मुहूर्त के लिए निषेध नहीं है ।

## साथ रटुन

2046

यदि आप के घर में कोई महोत्सव अथवा यज्ञोपवीत विवाह आदि रचाने का प्रोग्राम है तो महोत्सव सम्बन्धित हर काम के लिए शुभ दिनों की सूची निम्नलिखित है—

8 मई—सोमवार 11 बजे 32 दिन तक । 17 मई बुधवार, 25 मई गुरुवार, 28 जून बुधवार, 5 जुलाई बुधवार, 9 जुलाई रविवार, 10 जुलाई सोमवार, 16 जुलाई रविवार, 20 जुलाई गुरुवार, 25 शुक्रवार, 7 अगस्त सोमवार, 9 अगस्त बुधवार, 11 अगस्त शुक्रवार 10 बजे 22 दिन से, 1 अक्टूबर रविवार, 2 अक्टूबर सोमवार, 5 अक्टूबर गुरुवार, 23 नवम्बर बुधवार, 26 नवम्बर रविवार, 30 नवम्बर गुरुवार, 3 दिसम्बर रविवार, 7 दिसम्बर गुरुवार 10-36 दिन से, 2 फरवरी शुक्रवार, 5 फरवरी सोमवार, 7 फरवरी बुधवार, 14 फरवरी बुधवार, 15 फरवरी गुरुवार, 16 फरवरी शुक्रवार, 1 मार्च गुरुवार, 7 मार्च बुधवार, 8 मार्च गुरुवार ।

उपरिलिखित दिनों पर आप विवाह यज्ञोपवीत आदि के निमित्त जो-जो शुभ काम आप कर सकते हैं । उनकी सूची—यज्ञ के लिए सामग्री धी जव अन्नवन्न, मसाले, कपड़े आदि खरीद कर घर लाना, घरनावय, वनयुन, मसमुचरुन आदि ।

## راشی کے مطابق شدہ یگنوپیت مہورت

دیکھنے کا طریقہ :- راشی کے مطابق شدہ مہورت دیکھنے کیلئے مہورت چنڈرہ  
یگنوپیت اور برہمپتی کا چھٹی دشا میں ہونا ضروری ہوتا ہے جنتری کے  
مہورت پر کرن میں حسب معمول یگنوپیت مہورت درج ہیں۔ پرتو اگر آپ راشی  
کے مطابق شدہ مہورت دیکھنا چاہتے ہیں تو مندرجہ ذیل تفصیل میں دیکھئے کہ  
کس راشی کیلئے کون سا مہورت شدہ ہے :-

میشش راشی کیلئے ۲۰۳۹ یجری میں شدہ یگنوپیت مہورت :- ۲۹ اپریل  
۵ مئی، ۴ مئی، ۳ مئی، ۲۳ جون اور ۹ جولائی

وریشش :- ۲۴ مئی، ۲۳ جون اور ۸ جولائی  
۵ دسمبر، ۳ مارچ

میدھتھ :- ۲۹ اپریل، ۱۰ مئی، ۲۳ جون، ۹ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶  
۳ مارچ

کرکٹ :- ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

سہم :- ۲۹ اپریل، ۵ مئی، ۲۴ جون، ۸ جولائی

کن :- ۲۹ اپریل، ۵ مئی، ۲۴ جون، ۸ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

طول :- ۲۹ اپریل، ۱۰ مئی، ۲۳ جون، ۹ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ  
وریک :- ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

دھن :- ۲۹ اپریل، ۵ مئی، ۲۴ جون، ۸ جولائی

مکر :- ۲۴ مئی، ۲۳ جون، ۸ جولائی، ۵ دسمبر

کنبھ :- ۲۹ اپریل، ۱۰ مئی، ۲۴ جون، ۹ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

مین :- ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

## راشی کے مطابق شدہ وواہ مہورت ۲۰۳۹ یجری کیلئے

اگر لڑکا اور لڑکی دونوں کی راشی کے مطابق مہورت شدہ ہو تو مہورت اوقم ملے۔

ورنہ اگر صرف ایک ہی راشی لڑکا یا لڑکی سے شدہ مہورت ملے تو بھی کوئی دوش نہیں

میشش :- ۲۹ اپریل، ۱۰ مئی، ۲۴ جون، ۹ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

وریشش :- ۲۴ مئی، ۲۳ جون، ۹ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

میدھتھ :- ۲۹ اپریل، ۱۰ مئی، ۲۳ جون، ۹ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

کرکٹ :- ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

سہم :- ۲۹ اپریل، ۵ مئی، ۲۴ جون، ۸ جولائی

کن :- ۲۹ اپریل، ۵ مئی، ۲۴ جون، ۸ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

طول :- ۲۹ اپریل، ۱۰ مئی، ۲۳ جون، ۹ جولائی، ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ

وریک :- ۵ دسمبر، ۱۶ مارچ



کن :- ۱۹/۲۳/۳۱ مئی - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۲۸ جولائی - ۱۱  
 ۱۳۰۹/۱۳/۱۵ اگست - ۱۰۹ - ۱۳۰ دسمبر - ۱۵/۲۴/۲۵ مارچ :-  
 طول :- ۱۵/۲۴/۲۵ اپریل - ۶۱۱ - ۸۰۴ - ۱۲ مئی - ۳۰ جون - ۲۹  
 جولائی :- ۸۰۴ - ۱۵۰۹ - ۱۵ اگست - ۱۰۹ - ۱۲ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 ورجیک :- ۱۵/۲۴/۲۵ اپریل - ۱۳۰۹ - ۱۳۱۰ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 وقت :- ۱۵/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۱ - ۶۰۵ - ۱۳ - ۱۳۰۹ - ۲۴ مئی - ۲۸ جولائی - ۳۰  
 جون :-  
 مکڑ :- ۱۹/۲۳/۳۱ مئی - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۲۸ جولائی - ۱۱  
 ۱۳۰۹/۱۳/۱۵ اگست - ۱۰۹ - ۱۳۰ دسمبر - ۱۵/۲۴/۲۵ مارچ :-  
 گنبد :- ۱۵/۲۴/۲۵ اپریل - ۶۱۱ - ۸۰۴ - ۱۲ مئی - ۳۰ جون - ۲۹  
 جولائی - ۳۰ - ۱۵۰۹ - ۱۵ اگست - ۱۰۹ - ۱۳ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 مین :- ۱۵/۲۴/۲۵ دسمبر - ۱۳۰۹ - ۱۳۱۰ مارچ :-

راشی کے اوتار شدہ پرورش مہورت  
 (نئے مکان میں داخل ہونا)

میش :- ۱۹/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴  
 ورجیک :- ۱۵/۲۴/۲۵ جون - ۱۳۰۹ - ۱۳۱۰ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 میٹھن :- ۱۹/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-

کرکٹ :- ۲۳ مارچ :-

سہم :- ۱۹/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 کن :- ۱۵/۲۴/۲۵ جون - ۱۳۰۹ - ۱۳۱۰ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 طول :- ۱۹/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 ورجیک :- ۲۳ مارچ :-  
 وقت :- ۱۹/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱  
 مکڑ :- ۱۵/۲۴/۲۵ جون - ۱۳۰۹ - ۱۳۱۰ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 گنبد :- ۱۹/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 مین :- ۱۵/۲۴/۲۵ جون - ۱۳۰۹ - ۱۳۱۰ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-

بنیاد و مکان (پورب کچھ مکھ)

میش :- ۲۳/۲۴/۲۵ اگست و ریش :- ۲۴ جولائی - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۱۵ اگست - ۱۰ - ۹  
 سہم :- ۲۳/۲۴/۲۵ اگست کن :- ۲۴ جولائی - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۱۵ اگست - ۱۰ - ۹  
 اگست ورجیک :- ۲۳/۲۴/۲۵ اگست مکڑ :- ۲۴ جولائی - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۱۵ اگست - ۱۰ - ۹  
 ۲۳ اگست - مین :- ۲۳/۲۴/۲۵ اگست (دھن اتر مکھ)

میش :- ۲۳/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴  
 کن :- ۲۳/۲۴/۲۵ جون - ۱۳۰۹ - ۱۳۱۰ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-  
 مئی مکڑ :- ۲۳/۲۴/۲۵ اپریل - ۵۰۳ - ۶۰۹ - ۲۸ جون - ۱۰ - ۹ جولائی - ۱۱ دسمبر - ۲۴ مارچ :-



सकल पदारथ हैं जग माहीं । भाग्यहीन नर पायत नाहीं ॥

असली, प्राचीन, हस्तलिखित ग्रन्थ

## भृगुसंहिता महाशास्त्र (भा० टी०)

● प्राचीनकाल में जब कि आज की भांति छपाई आदि का प्रचलन नहीं था, हमारे ऋषियों-मुनियों ने ग्रन्थों की रचना करके अपनी शिष्य-परम्परा के अनुसार उन्हें अक्षरशः स्मरण कराकर इस ज्ञान भण्डार को आगे बढ़ाया था । तत्पश्चात् ताड़ वृक्ष के पत्तों तथा भोजपत्र आदि पर इन ग्रन्थों को लिखा गया । बाद के कालखण्ड में विधर्मियों तथा आतंकवादियों ने इन ग्रन्थों को नष्ट करने का सामूहिक तथा योजनाबद्ध प्रयास किया । इसका परिणाम यह हुआ कि सर्वांगीण पूर्ण ग्रन्थ दुष्प्राप्य हो गये । यदि कहीं कोई ग्रन्थ बचा तो उसके भी खण्ड-खण्ड हो गये अथवा विदेशी उठाकर ले गये । ऐसे ही दुर्लभ ग्रन्थों में "भृगुसंहिता महाशास्त्र" की गणना होती है, जिसका केवल नाम सुना था । कहा जाता है, किसी समय भृगु ऋषि द्वारा विष्णु भगवान की छाती में लात मारी जाने पर लक्ष्मी जी ने श्राप दिया था कि ब्राह्मण सदा निर्धन रहेंगे । तब भृगु जी ने लक्ष्मी जी से कहा था—“मैं एक ऐसा ग्रन्थ रचूंगा कि जिस किसी के पास वह महाग्रन्थ (भृगुसंहिता) होगा, लक्ष्मी सर्वदा उसका चरण-चुम्बन करेगी ।”

● अनेक अल्पज्ञ पंडित "भृगुसंहिता महाशास्त्र" के असली होने में सन्देह करते हैं । यह ग्रन्थ प्राचीनकाल से श्रवणगोचर होता रहा है । कुछ पंडित एवं ज्योतिषी जिनके पास हस्तलिखित ग्रन्थ का कुछ भाग पाया जाता है, वे कई पीढ़ियों से ग्रन्थ को दिखा-सुनाकर जनता से उनकी कुण्डली का फलादेश बताकर 21/- (इक्कीस रुपये) से 551/- (पाँच सौ इक्यावन) रुपये अथवा मुँह-मांगी दक्षिणा तक ले लेते हैं । श्री भृगु ऋषि रचित "भृगुसंहिता" जैसा भूत, भविष्य, वर्तमान का पूर्ण विवरण बताने वाला महाग्रन्थ आज तक देखा न गया था, हाँ नाम ही सुना था । ● इस ग्रन्थ को भाग्यवान ही प्राप्त कर सकता है ।

● संसार में कुछ भी असम्भव नहीं है । अनेक वर्षों तक अनथक परिश्रम तथा हजारों रुपया खर्च करके, कुण्डली के आधार पर भूत, भविष्य, वर्तमान का फलादेश बताने वाला हस्तलिखित "भृगुसंहिता महाशास्त्र" तैयार है ।

20 × 30/6 (पुराण साइज), खुले पत्राकार, हस्तलिखित 1,410 पृष्ठ, 14 खण्डों में सम्पूर्ण, आफसेट प्रिंट । इस विशाल ग्रन्थ में अगणित कुण्डली दी गई हैं । इस महाशास्त्र में वर्णित विधि अनुसार संसार के किसी भी व्यक्ति की जन्म-कुण्डली का फलादेश आसानी से ज्ञात हो जाता है । संस्कृत के श्लोकों के साथ-साथ हिन्दी टीका इस ग्रन्थ की विशेषता है । सर्व जनोपयोगी इस विशाल ग्रन्थ की न्यौछावर 501/- (पाँच सौ एक रुपये) है । ग्रन्थ सीमित संख्या में छपा है । अतः आज ही 51/- M. O. द्वारा भेजकर बाकी 450/- (चार सौ पचास) रुपये की बी० पी० पी० द्वारा घर बैठे ग्रन्थ प्राप्त करें ।



देवानी पुस्तक भण्डार चाण्डी बालार, पंजली-६

Available at :

SRI NAGAR (KASHMIR)  
Vijayshwar Jyotish Karalaya

Bij Bihara.

GOVIND NAVDHARA  
GANPATYAR

KASHMIR PRINTING PRESS  
Tehsil Road, Anant Nag

DELHI

DEHATI PUSTAK BHANDAR  
Chawri Bazar, Delhi-110006  
Tel No. 261030

NEW DELHI

Shri K. N. JALA

Pamposh Enclave, New Delhi  
Tel. : 645299

JAMMU

NAND LAL & SONS, Book Sellers  
Pakka Danga

BHASIN STATIONERY STORE  
Pakka Danga

GURU ONER'S

